बिहार-झारखंड
संस्करण
वर्ष: 5
अंक: 159
मूल्य ₹ 2.00
पृष्ठ 06
Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

दैनिक बिहार पत्रिका
DAINIK BIHAR PATRIKA

पटना। शुक्रवार, 03 जनवरी 2025 | सम्पादक: कृष्णा टेकड़ीवाल | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

वानुआतु को पांच लाख डॉलर की सहायता देगा भारत

नई दिल्ली

भारत ने गत 17 दिसंबर को दक्षिणी प्रशांत महासागर में आए विनाशकारी भूकंप में बड़े पैमाने पर जानमाल के नुकसान से त्रस्त द्वीपीय देश वानुआतु को पांच लाख डॉलर की सहायता देने की घोषणा की है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक बयान में कहा कि गत 17 दिसंबर को दक्षिण प्रशांत महासागर में वानुआतु के तट के पास 7.4 तीव्रता का भूकंप आया जिससे बड़ी तबाही हुई और जानमाल की हानि हुई। भारत ने इस अभूतपूर्व आपदा से हुए नुकसान और विनाश के लिए वानुआतु सरकार और लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और कठिनाई के इस समय में हर संभव समर्थन और सहायता देने की अपनी तत्परता से अवगत कराया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन (फिपिक) के तहत एक करीबी दोस्त और भागीदार के रूप में और वानुआतु के मैत्रीपूर्ण लोगों के साथ एकजुटता के संकेत के रूप में भारत सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण प्रयासों में सहयोग करने के लिए पांच लाख अमेरिकी डॉलर की राहत सहायता प्रदान करती है।

गुकेश, भाकर, हरमनप्रीत, प्रवीण को मिलेगा खेल रत्न पुरस्कार

नई दिल्ली

शतरंज खिलाड़ी डी. गुकेश, महिला निशानेबाज मनु भाकर, हॉकी खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह और एथलीट प्रवीण कुमार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। खेल मंत्रालय ने गुरुवार को खेल रत्न पुरस्कारों की घोषणा की। सरकार ने समितियों की सिफारिश पर मनु भाकर, डी गुकेश, हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को खेल रत्न से सम्मानित करने का फैसला किया है। इन एथलीटों को 17 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जायेगा। यह पुरस्कार हर चार साल में खेल में उत्कृष्ट योगदान देने वाले खिलाड़ी को दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक्स में निशानेबाजी की दो अलग-अलग स्पर्धा में दो पदक जीतकर इतिहास रचा था। पेरिस खेलों में ही हरमनप्रीत सिंह ने अपनी कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता था। डी गुकेश हाल ही में शतरंज के इतिहास के सबसे युवा वर्ल्ड चैंपियन बनने का इतिहास रचा। गुकेश ने महज 18 वर्ष की उम्र में विश्व चैंपियन का खिताब हासिल किया था। प्रवीण कुमार ने पैरालंपिक्स की टी64 कैटेगरी की हाई-जम्प (ऊंची कूद) प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था।

यहां के लोगों की सेवा के लिए आया हूं : राज्यपाल

दैनिक बिहार पत्रिका

आरिफ मोहम्मद खान ने बिहार के राज्यपाल के रूप में गुरुवार को शपथ ली। राजभवन के राजेंद्र मंडप हॉल में आयोजित एक सादे समारोह में पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन ने आरिफ मोहम्मद खान को शपथ दिलाई। नए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी उपस्थित रहे।आरिफ मोहम्मद खान इससे पहले केरल के राज्यपाल थे और अब वह बिहार के नए राज्यपाल बन गए हैं। पद और गोपनीयता की शपथ लेने के साथ ही आरिफ मोहम्मद खान बिहार के 42वें गवर्नर बन गए हैं। राज्यपाल ने शपथ लेने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि बिहार का गौरवशाली इतिहास है। बिहार के लोगों में जबरदस्त क्षमता है। गौर करें तो बिहार के लोग पूरा देश चला रहे हैं। बिहार के लोगों में जो क्षमता है उससे बिहार बहुत आगे जाएगा। उन्होंने बिहारवासियों और देशवासियों को नए वर्ष की शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने कहा कि मैं बिहार की सेवा के लिए यहां आया हूं। बिहार के लोगों की सेवा और कल्याण के लिए निरंतर काम करूंगा। राजद के अध्यक्ष लालू यादव से मिलने के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जिन लोगों से पुरानी पहचान है, उनसे मिलने गया था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हर चीज में राजनीति नहीं देखनी चाहिए।इससे पहले आरिफ मोहम्मद खान मुख्यमंत्री की माता की पुण्यतिथि के अवसर पर कविराज रामलखन सिंह स्मृति वाटिका पहुंचे और परमेश्वरी देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

देश की आर्थिक हालात संकट के दौर में: खरगे

सरकार के पास कोई ठोस समाधान नहीं

नई दिल्ली

कांग्रेस ने कहा है कि देश की आर्थिक स्थिति उथल-पुथल के दौर में है। इसके लिए मोदी सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है। उसके पास इसका कोई ठोस समाधान नहीं है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज यहां एक बयान में कहा कि देश के आम लोगों के जीवन में व्याप्त अव्यवस्था को सात संकेतकों के माध्यम से आंका जा सकता है। इनमें गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या में इजाफा और उसके एनपीए में आया उछाल प्रमुख है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गोल्ड लोन में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि इसके एनपीए में 30 प्रतिशत उछाल आया है। लोगों के घरों में जरूरत की चीजों की खरीद और सेवाओं में पिछली 8 तिमाहियों में गिरावट दर्ज की गई है यानि यह कोविड से पहले वाली स्थिति में नहीं पहुंच पाया है। खरगे ने कहा कि कार बिक्री में वृद्धि पिछले चार साल के निचले स्तर पर आ गई है। पिछले 5 वर्षों (2019-2023) में इंजीनियरिंग, विनिर्माण, प्रक्रिया और बुनियादी ढांचा (ईएमपीआई) क्षेत्रों में वेतन में केवल 0.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से वृद्धि हुई है। पिछली आठ तिमाहियों में खाद्य मुद्रास्फीति औसतन 7.1 प्रतिशत रही है। आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी के रूप में अप्रत्यक्ष कराधान घरेलू बचत को कम कर रहा है जो 50 साल के निचले स्तर पर है। घरेलू वित्तीय देनदारियां अब जीडीपी का 6.4 प्रतिशत हैं, जो दशकों में सबसे अधिक

है। रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिससे विदेशी फंड बाहर जाने को मजबूर हो रहे हैं और छोटे निवेशकों को लाखों करोड़ का नुकसान हो रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा इसके लिए सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी आर्थिक नीतियां जिम्मेदार हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, मोदी जी आपके वार्षिक 'नए साल के संकल्प' हर नागरिक के जीवन को नष्ट करने वाले जुमलों से कम नहीं हैं! पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने भी इन्हीं मुद्दों पर मोदी सरकार की घेराबंदी की है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री के मंगलसूत्र वाले बयान को उद्धृत करते हुए कहा कि हमने उसी दौरान गोल्ड लोन में तेजी से हुई वृद्धि का मुद्दा उठाया था। अनुमानित रूप से करीब 3 लाख करोड़ रुपये के गोल्ड लोन भारतीय परिवारों के पास हैं, जो आज तक बकाया हैं। अब यह सामने आ रहा है कि ऋणग्रस्तता के बढ़ते मामले और अर्थव्यवस्था के सुस्त होने के साथ, गोल्ड लोन डिफॉल्ट होने के मामले बढ़ रहे हैं। वर्ष 2024 में मार्च और जून के बीच तीन महीनों में गोल्ड लोन एनपीए का अनुपात 30 प्रतिशत बढ़ा है यानि 5,149 करोड़ रुपये से उछलकर 6,696 करोड़ रुपये हो गया है। जयराम रमेश ने कहा कि ये तो सिर्फ औपचारिक क्षेत्र के गोल्ड लोन्स हैं जबकि इसका कोई अनुमान नहीं है कि कितने परिवारों ने अनौपचारिक क्षेत्र का सहारा लेकर इस तरह का लोन लिया है। जब परिवार इस तरह के लोन्स के मामलों में डिफॉल्ट करते हैं, तब आम तौर पर उन्हें अपनी सोने की संपत्ति खोनी पड़ती हैं। ज्यादातर मामलों में महिलाओं के आभूषण होते हैं, जिसमें मंगलसूत्र भी शामिल है। कांग्रेस ने कहा कि चीन भारत के खिलाफ एक बार फिर साजिश रच रहा है और पूर्वोत्तर राज्यों की लाइफलाइन ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बना रहा है, इसके बारे में प्रधानमंत्री को देश को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा है कि ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाए जा रहे इस बांध के कारण चीन का नदी के बहाव पर पूरी तरह से कब्जा हो जाएगा। चीन इस बांध का इस्तेमाल भारत के खिलाफ 'वाटर बम' की तरह कर सकेगा। पार्टी ने अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट किया चीन इस बांध के जरिए बड़ी मात्रा में पानी छोड़कर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ ला सकता है। वहीं, ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोककर,पूर्वोतर राज्यों में सूखे जैसे हालात पैदा कर सकता है और इससे वह पूर्वोत्तर राज्यों की सिंचाई और बिजली उत्पादन पर भी असर डाल सकेगा। कांग्रेस ने सवाल किया, मोदी सरकार इस गंभीर खतरे पर खामोश क्यों है। चीन से इस बांध से जुड़ी सारी जानकारी क्यों नहीं मांगी जा रही है। चीन सरेआम भारत की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहा है लेकिन मोदी के मुंह से एक भी शब्द क्यों नहीं निकल रहा है। ये देश की सुरक्षा का सवाल है और प्रधानमंत्री को इस बारे में जवाब देना चाहिए।

गरिबों को ठंड से बचाने का पुरी व्यवस्था किया जाए: डॉ. मनीष पंकज मिश्रा

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। जिले में इन दिनों भीषण ठंड का कहर जारी है, जिससे आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ठंड से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने जिला प्रशासन से अपील की है कि वह प्रमुख चौक-चौराहों पर राहत व्यवस्था सुनिश्चित करे। उन्होंने मांग की कि अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल, गया रेलवे जंक्शन, सिकरियामोड़ प्रभावती अस्पताल,जयप्रकाश अस्पताल, विष्णुपद मंदिर, मंगला गौरी, जामा मस्जिद, दुखहरनी मंदिर जैसे प्रमुख स्थानों पर लकड़ी का जलावन एवं कंबल की व्यवस्था की जाए।डॉ. मिश्रा इस ठंड के मौसम में गरीब, बेसहारा और राहगीरों को सबसे ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में जिला प्रशासन का कर्तव्य है कि वह हरसंभव राहत प्रदान करे। उन्होंने मानवाधिकार संगठन की ओर पूर्व में सैकड़ो कंबल वितरण कर जरूरतमंद लोगों को मदद किया गया है। मिश्रा ने कहा कि ठंड से बचाव के लिए सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था और जरूरतमंदों को कंबल वितरण प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने जिला प्रशासन से यह भी आग्रह किया कि इस कार्य को समय पर और व्यवस्थित तरीके से अंजाम दिया जाए, ताकि गरीब तबके को ठंड के कहर से राहत मिल सके। उनके इस कदम को स्थानीय प्रशासन से जल्द कार्रवाई की उम्मीद जताई है। जिला से प्रशासन से मांग करने वालों में भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता जिला मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर।

वैशाली : जिलाधिकारी ने हरित महाकुंभ का पोस्टर लॉन्च किया

दैनिक बिहार पत्रिका/वैशाली

वैशाली के जिलाधिकारी यशपाल मीणा द्वारा आज नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा प्रोजेक्ट तथा हरित महाकुंभ का पोस्टर लॉन्च किया। पोस्टर लॉन्च के दौरान राष्ट्रीय पर्यावरण शिक्षा अकादमिक नेटवर्क की प्रोजेक्ट ऑफिसर हनी कुमारी मौजूद रहीं। वैशाली प्रशासन द्वारा महाकुंभ 2025 को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कदम बढ़ाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी द्वारा नगर परिषद को इसका कार्यभार सौंपा गया। गंगा के सांस्कृतिक, धार्मिक तथा पर्यावरणीय महत्व के लिए सांस्कृतिक फाउंडेशन, नई दिल्ली तथा राष्ट्रीय पर्यावरण शिक्षा अकादमिक नेटवर्क की यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। वैशाली प्रशासन ने भी 'हरित कुंभ' बनाने का संकल्प लिया है। गंगा तथा सहायक नदियों सहित पूरे कुंभ को स्वच्छ एवं कचरा मुक्त रखने के लिए देश भर में 'एक थाली, एक थैला, एक लोटा' अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत वैशाली प्रशासन ने कुंभ में शामिल होने वाले श्रद्धालु को प्लास्टिक के उपयोग से बचने तथा इसके विकल्प के रूप में प्राकृतिक उत्पाद का उपयोग करने को कहा है। साथ ही जिलाधिकारी ने वैशाली जिले के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों तथा महाविद्यालयों को इस कार्यक्रम से संबंधित जागरूकता अभियान, सेमिनार, तथा वर्कशॉप का आयोजन करने का निदेश दिया है, ताकि महाकुंभ 2025 का आयोजन न केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से ऐतिहासिक हो, बल्कि वैश्विक स्तर पर स्वच्छता की दृष्टि से भी एक प्रेरक बन सके। स्वच्छ एवं सुंदर महाकुंभ सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदम वास्तव में प्रेरणादायक हैं, जो कि महाकुंभ 2025 को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इतना ही नहीं, महाकुंभ का भव्य आयोजन विश्व भर में स्वच्छता के स्थायी समाधानों का प्रेरक संदेश पहुंचाएगा।

जिला अधिकारी ने मुख्यमंत्री संभावित प्रगति यात्रा को लेकर किया समीक्षा बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। जिलाधिकारी श्री रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में आगामी मुख्यमंत्री बिहार नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा से संबंधित की जा रही तैयारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार समस्तीपुर में आयोजित किया गया। समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा हर घर नल का जल योजना अंतर्गत लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण संगठन एवं शहरी क्षेत्र में नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य एवं मरम्मत अनुरक्षण से संबंधित समीक्षा बैठक की गई ।इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना ,हर खेत सिंचाई का पानी योजना अंतर्गत लघु जल संसाधन विभाग, विद्युत विभाग अंतर्गत कृषि फीडर के निर्धारित लक्ष्य एवं उनके विरुद्ध उपलब्धि, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, शिक्षा विभाग अंतर्गत उच्चतर शिक्षा हेतु महिलाओं को प्रोत्साहन, मुख्यमंत्री महिला प्रोत्साहन योजना इंटरमीडिएट एवं स्नातक ,स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत टेली मेडिसिन के माध्यम से चिकित्सा व्यवस्था तथा पशु चिकित्सा सेवाओं की डोर स्टेप डिलीवरी ,पंचायत सरकार भवन अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धि ,हर पंचायत में 10+2 विद्यालय की समीक्षा ,प्रत्येक ग्राम पंचायत/ नगर पंचायत में खेल को बढ़ावा देने हेतु क्लब के गठन से संबंधित समीक्षा, मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना अंतर्गत कुल बसावट के विरुद्ध निर्माणधीन सड़कों की समीक्षा, मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य एवं स्वीकृत पुलों की समीक्षा, जीविका अंतर्गत समूह के गठन का लक्ष्य एवं उसके विरुद्ध उपलब्धि की समीक्षा, जल जीवन हरियाली अंतर्गत सार्वजनिक जल अवसंरचनाओं के जीर्णोद्धार इत्यादि से संबंधित समीक्षा बैठक की गई तथा सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को दिए गए लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु निर्देश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता समस्तीपुर श्री अजय कुमार तिवारी ,नगर आयुक्त समस्तीपुर श्री के डी प्रोज्ज्वल, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सिविल सर्जन समस्तीपुर ,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित सभी सम्बंधित विभागों के पदाधिकारी गण मौजूद थे।

विप सभापति अवधेश नारायण सिंह बने तिलौथू हाई स्कूल प्रबन्ध समिति अध्यक्ष

डेहरी । रोहतास। राज्य स्तर पर सबसे बेहतर स्कूलों में से एक तिलौथू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. मैकूराम के अनुरोध पर विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने विद्यालय प्रबन्धकारिणी समिति का अध्यक्ष बनने की अपनी स्वीकृति दे दी है। इस संबंध में बिहार विधान परिषद के निदेशक अब्दुल हबीब ने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र जारी किया है। अपने पत्रांक 123/2025, दिनांक 02 जनवरी के तहत अपर शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव को भेजे पत्र में कहा है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिलौथू के प्रभारी प्रधानाध्यापक डॉक्टर मैकू राम द्वारा बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह को प्रबंधकारिणी समिति का अध्यक्ष बनने का अनुरोध किया गया था। प्रधानाध्यापक के अनुरोध पत्र के आलोक में सभापति ने अपनी सहमति दे दी है। सभापति अवधेश नारायण सिंह के विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष पद स्वीकार करने की जानकारी मिलते हीं विद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रधानाध्यापक डॉ. मैकूराम ने कहा कि यह कदम विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। वरिष्ठ शिक्षक संजय मौर्य, संतोष कुमार,मिथिलेश पासवान, रवि रंजन कुमार ने कहा कि विप सभापति का यह निर्णय विद्यालय के प्रशासन और शैक्षणिक गुणवत्ता को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। शिक्षिका नूतन कुमारी, प्रीति श्रीवास्तव ने कहा कि हम सभी इस निर्णय से उत्साहित हैं और विद्यालय के लिए सकारात्मक बदलाव की आशा कर रहे हैं। अन्य शिक्षकों ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह निर्णय छात्रों के भविष्य के लिए बहुत लाभकारी होगा। अब उनकी अध्यक्षता में विद्यालय के विकास, प्रशासनिक सुधार, और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्यकारिणी समिति का गठन किया जाएगा। यह निर्णय विद्यालय और उसके छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एक नज़र इधर भी

सांसद विवेक ठाकुर ने केंद्रीय वित्त मंत्री से की मुलाकात

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। भाजपा नेता एवं नवादा सांसद विवेक ठाकुर ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार मुलाकात कर आगामी बजटीय भाषण को लेकर बिहार के संदर्भ में कई प्रमुख विषयों को रखा है।सांसद विवेक ठाकुर ने विकसित नवादा को लेकर कई प्रमुख विषयों पर चर्चा किया है। जिसमें रजौली स्थित फुलवरिया जलाशय पर न्यूक्लियर पॉवर प्लांट की स्थापना, नवादा - बिहारशरीफ नई रेल लाइन परियोजना और शेखपुरा - बिहारशरीफ - दनियावां - नेउरा नई रेल लाइन परियोजना के उद्घाटन को लेकर विस्तार से चर्चा किया है।

पुलिस की हिरासत से कैदी फरार, इस थाने का है मामला

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिले में बढ़ते अपराध के बीच पुलिस वालों की लापरवाही भी सुर्खियों बटोर रही है। इसी क्रम में पुलिस कस्टडी से एक कैदी के फरार होने का सनसनीखेज मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस कस्टडी से फरार कैदी की पहचान मोहनपुर सहौडा गांव के रवि कुमार के रूप में की गई है। दरअसल, शंभूगंज असरगंज मुख्य पथ तेलडीहा मोड के समीप बीती 31 दिसंबर की रात को किसान का धान चोरी करते एक चोर को ग्रामीणों ने पकड़ लिया था। जबकि अन्य चोर फरार हो गया था। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी शंभूगंज थाना को देते हुए पुलिस को सुपुर्द कर दिया था। गिरफ्तार चोर रवि कुमार की निशान देही पर असरगंज के एक व्यापारी के निजी गोदाम से चोरी के 26 बोरा धान बरामद कर ली गई थी। मालूम हो कि शंभूगंज क्षेत्र में इन दिनों धान चोरी की घटना में बढ़ोतरी को देखते हुए उक्त चोर से पूछता की जा रही थी। कि बुधवार की रात्रि पुलिस चकमा देकर पुलिस कस्टडी में गिरफ्तार अभियुक्त रवि कुमार फरार हो जाने की सूचना है। अपराधी के भागने की घटना सामने आने के बाद पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया है और उसे पकड़ने की कोशिशें तेज हो गई है।

दो शराब तस्कर एवं 11 व्यक्ति शराब पीने के आरोप में गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। बौंसी थानान्तर्गत भलजोर चेक पोस्ट के पास स0अ0नि0 उपेन्द्र मंडल उत्पाद थाना बाँका के नेतृत्व में एक अभियुक्त छोटू कुमार, पे0-उपेन्द्र ठाकुर, सा0 व थाना-सरैयाहाट, जिला-दुमका (झारखण्ड), उम्र-22 वर्ष करीब को कुल-03.750 लीटर अवैध विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। दूसरी ओर रजौन थानान्तर्गत चकमुनिया गाँव के पास स0अ0नि0 विश्वजीत कुमार के नेतृत्व में एक अभियुक्त मो० प्यारे अंसारी,पे0-मो० कलीम अंसारी, सा0-चकमुनिया, थाना- रजौन ,जिला-बाँका, उम्र-38 वर्ष करीब को कुल कोडीनयुक्त कफ़ सिरप 09.900 लिटर के साथ गिरफ्तार किया गया। साथ ही बौंसी थानान्तर्गत भलजोर चेक पोस्ट के पास स0अ0नि0 उपेन्द्र मंडल के नेतृत्व में एक अभियुक्त फुलचन भगत ,पे0- स्व० शिव नारायण भगत ,सा0-बिहारीगंज,थाना-बिहारीगंज,जिला-मधेपुरा,उम्र-50 वर्ष करीब को दुबारा शराब सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया गया। शराब सेवन के आरोप में कुल-11 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से वे जुर्माना देकर मुक्त किय गये।

एक कट्टा और 14 कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। घोघा थाना क्षेत्र के आर्दश नगर फुलकिया गांव में गुरुवार की रात गुप्त सूचना पर घोघा पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान एक देसी कट्टा और 14 जिंदा कारतूस के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। घोघा थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि आदर्श नगर फुलकिया गांव निवासी मटकी मंडल का पुत्र फूजो मंडल को एक देसी कट्टा, 14 जिंदा कारतूस, एक मोबाइल और एक बिंडोलिया के साथ गिरफ्तार किया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सामूहिक दुष्कर्म के बाद महिला के सिर को किया धड़ से अलग, मची सनसनी

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका। जिले के बेलहर थाना क्षेत्र के बदुआ नदी कुमरैल घाट के पास पानी के किनारे बालू में महिला का शव गड़ा हुआ मिला जिसका सिर गायब था। पुलिस ने फॉरेंसिंक की टीम और डॉग स्क्वॉयड को मौके पर बुलाया। सिर की तलाश पुलिस लगातार कर रही है। मौके पर भागलपुर पुलिस के डीएसपी चंद्रभूषण, बेलहर डीएसपी राजकिशोर और थाना प्रभारी राजकुमार प्रसाद दलबल के साथ मौजूद रहे। छानबीन के दौरान गुरुवार की सुबह पुलिस ने नदी किनारे गड़े महिला के शव को बरामद कर लिया। लेकिन शव का सिर गायब था। अपराधियों ने महिला का सिर काटकर कहीं और ठिकाने लगाया था।**क्या है मामला**

भागलपुर जिला के सुल्तानगंज से पिछले दिनों अगवा हुई महिला का शव बांका जिले के बेलहर से बरामद हुआ है। सुल्तानगंज से जमुई जाने के क्रम में महिला का अपहरण कर लिया गया था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस लगातार महिला की बरामदगी के लिए छापेमारी कर रही थी। गुरुवार की सुबह महिला की सिर कटी लाश पुलिस को नदी किनारे गड़ी मिली। इस मामले में गिरफ्तार हुए आरोपितों की निशानदेही पर लाश बरामद किया गया है। पुलिस महिला का सिर ढूंढने में जुटी है। गिरफ्तार आरोपितों ने पुलिस को मौके पर बताया कि महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म पहले किया गया और उसके बाद उसकी हत्या की गयी थी। भागलपुर के सुल्तानगंज से पिछले दिनों 72 वर्षीय एक महिला के अपहरण की शिकायत उसके परिजनों ने थाने में दर्ज करायी थी। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करके छानबीन शुरू की और कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया था। महिला के मोबाइल लोकेशन के आधार पर बांका के बेलहर से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। जिन्होंने पूछताछ के दौरन पुलिस को बताया कि महिला की हत्या करके शव को नदी किनारे गाड़ दिया गया है। जिसके बाद पुलिस बुधवार की रात से ही उक्त लोकेशन पर छानबीन करती रही। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों को भी लेकर नदी किनारे पहुंची है। मौके पर पुलिस ने जब उनसे पूछताछ शुरू की तो अभियुक्तों ने महिला से सामूहिक दुष्कर्म करने की बात कबूली है। पुलिस को बताया कि किस तरह महिला के साथ नदी किनारे ही दुराचार किया और फिर मौत के घाट उतार दिया। महिला को बेलहर थाना क्षेत्र के विशनपुर गांव निवासी उसके एक रिश्तेदार ने ही अगवा किया था। महिला को भरोसे में लेकर उसका अपहरण कर लिया था। उक्त आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

अमर ज्योति झा पावर ग्रिड कॉरपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड के सांस्कृतिक प्रतियोगिता के आयोजन में जूरी मेंबर बने

दैनिक बिहार पत्रिका

पटना/बिहार। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लेखक - निर्देशक अमर ज्योति झा पावर ग्रिड कॉरपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड के सांस्कृतिक प्रतियोगिता के आयोजन में जूरी मेंबर बनाए गए हैं। भारत सरकार का उद्यम पावर ग्रिड कॉरपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड के क्षेत्रीय मुख्यालय कार्यालय द्वारा तीन जनवरी 2025, शुक्रवार को संध्या 5 बजे से ऊर्जा ऑडिटोरियम , शास्त्री नगर , पटना में सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लेखक - निर्देशक अमर ज्योति झा को जूरी मेंबर में शामिल किया गया है। जो भाग ले रहे सभी प्रतिभागियों का सही मूल्यांकन कर फाइनल विजेता टीम का चयन करेंगे। जिसे बाद में फाइनल राउंड में सिलेक्शन के लिए मुंबई भेजा जाएगा। इस कार्यक्रम में छह टीमों के बीच स्टेज शो के माध्यम से प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। अमर ज्योति झा ने जुरी मेंबर में शामिल होने के अनुरोध पत्र को सहर्ष स्वीकार कर पावर ग्रिड के सभी अधिकारियों को धन्यवाद कहा है । साथ ही भाग ले रहे छह टीमों को भी बधाई दी है।

बांका: धान खरीदारी में किसी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं जाएगी: डीएम

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी, बांकाअंशुल कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को धान अधिप्राप्ति 2024-25 में नियमानुसार सभी किसान का धान एम एस पी पर खरीद हेतु जिला टास्क फोर्स कि बैठक हुआ। इस बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम, प्रबंध निदेशक कॉपरेटिव बैंक, सभी प्रखण्ड सहकारिता पदाधिकारी के साथ बांका जिला अंतर्गत सभी राइस मिल के प्रोपराइटर उपस्थित थे। जिला पदाधिकारी के द्वारा सभी बी सी ई ओ को निर्देश दिया गया कि प्रति दिन प्रत्येक प्रखण्ड में कम से कम 300mt खरीद करना है। सभी बी सी ई ओ को आदेश दिया गया कि प्रखण्ड के सभी किसान से संपर्क करें और उनको एम एस पी का लाभ मिल जाए। जिन समिति का कैश क्रेडिट समाप्त हो गया है उन सभी समिति को नियमानुसार आज ही कैश क्रेडिट देने हेतु कॉपरेटिव बैंक के प्रबंध निदेशक को बोला गया और निर्देश दिया गया कि किसी भी परिस्थिति में कैश क्रेडिट में बिलम न हो। जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम को निर्देश दिया गया कि सभी पैक्स का सीएमआर नियमानुसार तेजी से प्राप्त करे ताकि पैक्स को चक्रीय पूंजी की प्राप्ति होते रहे और पैक्स गोदाम से निर्बाध रूप से धान मिल जा सके। जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि प्रतिदिन सभी पैक्स का लगातार समीक्षा करे और जहां खरीद नहीं हो रहा है वहां जाकर किसान को एम एस पी का लाभ दे। जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया गया प्रतिदिन सभी बी सी ई ओ के वीसी के माध्यम समीक्षा बैठक करें। जिला पदाधिकारी सर के द्वारा सभी को निर्देश दिया गया कि इसमें किसी भी तरह की गड़बड़बी होने पर संबंधित के ऊपर करवाइए किया जाएगा। सभी राइस मिल के प्रोपराइटर को निर्देशित किया गया कि अपनी कैपेसिटी के अनुसार प्रतिदिन सी एम आर तैयार करे। ताकि पैक्स को किसी भी परिस्थिति में परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। सभी को निर्देश दिया गया कि नियमानुसार अधिक से अधिक गाड़ी में जी पी एस लगाना सुनिश्चित करें।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका । जिला कल्याण पदाधिकारी, बाँका की अध्यक्षता में गुरुवार को सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, सभी कार्यालय कर्मियों एवं सभी नोडल विकास मित्रों के साथ समीक्षा बैठक की गई। इसमें विभागीय बैठक से प्राप्त निर्देशों की जानकारी दी गई। साथ ही छात्रावासों में अनिवार्य रूप से मेस संचालन एवं विद्यालयों में किताबों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया।सभी विकास मित्रों को एक सप्ताह में 100% शुद्धता से विकास रजिस्टर 2.0 के सभी अवयवों को अद्यतन किये जाने का निर्देश दिया गया।

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी, बाँका अंशुल कुमार के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढाओ योजनान्तर्गत लिंग परीक्षण, कन्या भ्रूण हत्या निषेध एवं बाल विवाह रोकथाम तथा बालिका शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को अमरपुर प्रखंड अंतर्गत नव निर्माण जीविका संकुल संघ, गोपालपुर में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जीविका दीदियों को संबोधित करते हुए जिला परियोजना प्रबंधक, महिला एवं बाल विकास निगम, राजीव रंजन ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं के सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए चलाए जा रहे हैं कई कार्यक्रम इसी कडी में बाल लिंगानुपात में सुधार लाने,बाल विवाह रोकने एवं बालिकाओं के शिक्षा को सुनिश्चित करने हेतु बेटी बचाओ, बेटी पढाओ योजना चलाया जा रहा है! अतः लिंग परीक्षण कराकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराध रोकने के लिए,बाल विवाह रोकथाम के लिए तथा बालिका शिक्षा सुनिश्चित करने एवं घरेलू हिंसा नहीं करने के लिए समाज के लोगों को संवेदनशील बनाना होगा, इसके लिए समाज के हर परिवार एवं लोग को जागरूक करना होगा तथा बेटा-बेटी में अंतर नहीं करते हुए बेटियों के जन्म लेने से लेकर उनके शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सम्मान, सुरक्षा, संरक्षण एवं समानता के सभी को प्रयत्नशील होना होगा। उनके द्वारा कार्यस्थल पर लैंगिक हिंसा निवारण के लिए आंतरिक समिति में शिकायत दर्ज कराने भी जानकारी जीविका कर्मियों को दी गई। इसके लिए किसी प्रकार की सूचना आप सभी महिला हेल्पलाइन टॉल फ्री नंबर 181 पर दे सकते हैं। इस दौरान ₹बेटी बचाओ, बेटी पढाओ₹ के मुद्दे पर शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक, संकुल की सभी जीविका दीदी एवं सभी जीविका कर्मी की उपस्थित रही।

स्मार्ट सिटी के तर्ज पर बन रहे स्मार्ट विलेज का किया गया टोपोग्राफिकल सर्वे

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। रजौन प्रखंड बन रहे स्मार्ट विलेज बाबर चक में गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बांका द्वारा टोपोग्राफिकल सर्वे कराया गया था। जिला पदाधिकारी द्वारा गुरुवार को इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर शब्बीरउद्दीन , सहायक प्रोफेसर डॉ राधा कृष्ण तथा सर्वे में शामिल छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

इस दौरान जिला जनसंपर्क पदाधिकारी -सह-वरीय उप समाहर्ता, बांका, इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर शब्बीरउद्दीन , सहायक प्रोफेसर डॉ राधा कृष्ण एवं सुधांशु शेखर सिविल इंजीनियरिंग, सहायक प्रोफेसर आनंद कुमार मैकेनिकल इंजीनियरिंग, छात्र आशुतोष राज एवं श्रेयस शंकर उपस्थित थे।

अज्ञात चोर ने भीषण चोरी के घटना को दिया अंजाम, 25 लाख रुपया के गहना और नगदी चुरा ले गया चोर

चोरी के घटना बाद विनय कुमार राय के घर में बिखड़ा है सामान

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर।पटोरी थाना क्षेत्र में गुरुवार रात्रि चोरों ने एक घर और एक दुकान को निशाने बनाते हुए भीषण चोरी के घटना को अंजाम दिया है.घटना के संदर्भ में बताया गया है कि थाना क्षेत्र के चकसलेम में विनय कुमार राय के घर अज्ञात चोरों ने 10 हजार रूपया नगदी समेत 25 लाख रुपया के जेवर चोर ने चुराया है. पीड़ित गृह स्वामी विनय कुमार राय ने बताया कि वह पूरे परिवार सोए हुए थे . छत होकर आए अज्ञात चोर ने इस घटना को अंजाम दिया है.वही गोला रोड स्थित विष्णु प्लाई सेंटर में अज्ञात शटर उखाड़कर चोर ने 15 हजार रुपए नगदी और बैंक का चेक और पासबुक चुराया है. सूचना पर पटोरी थाने की पुलिस पहुंची है और आस पास में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है.इस संबंध में पटोरी थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर कुणाल चंद्र सिंह ने बताया है कि दोनों व्यक्ति के दिए गए आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस त्वरित कार्रवाई में जुट गई है।

पुलिस ने भारी मात्रा में महुआ शराब के साथ रंगे हाथ एक शराब कारोबारी को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

दैनिक बिहार पत्रिका

फुल्लीडुमर/बांका। फुल्लीडुमर थाना की पुलिस 2 जनवरी 2025 गुरुवार की सुबह भारी मात्रा में देसी चुलाई गई महुआ शराब के साथ रंगे हाथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। फुल्लीडुमर थाना के पुलिस पदाधिकारी से मिली प्राप्त जानकारी के अनुसार भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब लेकर जा रहे तस्कर की गुप्त सूचना पर थाना अध्यक्ष बबलू कुमार के नेतृत्व में एस आई शरद श्रीकांत, थाना मैनेजर अविनाश कुमार, चौकीदार निरंजन कुमार राय, दशरथ तुरी, बंधन कुमार राय एवं अन्य सशस्त्र पुलिस जवानों के सहयोग से थाना क्षेत्र के इटहरी गांव के उत्तर धरबन्नी बांध के बहियार के पास छापेमारी की गई। जहां छापेमारी के दौरान पुलिस ने इटबा गांव के राजमल मुर्मू पिता नईका मुर्मू को 19 लीटर चुलाई गई देसी महुआ शराब के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं थाना अध्यक्ष बबलू कुमार ने बताया कि गिरफ्तार शराब तस्कर राजमल मुर्मू 19 अलग-अलग पॉलिथीन में बंधे एक एक लीटर कुल मात्रा19 लीटर देसी महुआ शराब प्लास्टिक के बोरा में भरकर बेचने जा रहा था। जिसे पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर मध् निषेध कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए गिरफ्तार शराब तस्कर की फुल्लीडुमर अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षण कराकर पुलिस अभिरक्षा में न्यायिक हिरासत में बांका जेल भेज दिया गया। वहीं पुलिस ने बताया कि कई अवैध रूप से चोरी छिपे जावा महुआ बेचने वाले महुआ माफिया भी पुलिस के रडार में है। जिस पर पुलिस नजर बनाए हुए है।

ताजा बर्फबारी के साथ घुसपैठ की संभावना, सेना ने गश्त बढ़ा दी

जम्मू । जम्मू और कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा उपायों और घुसपैठ के प्रयासों को लेकर सेना को बढ़ाया गया है। पीर पंजाल की पहाड़ियों पर ताजा बर्फबारी के साथ-साथ घुसपैठ की संभावनाओं को देखकर सेना ने गश्त बढ़ा दी है और निगरानी के लिए अत्याधुनिक प्रणालियों का इस्तेमाल हो रहा है। बता दें कि पाकिस्तान में आईएसआई और अन्य आतंकवादी संगठनों के बीच बैठक के बाद भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ को बढ़ाने की योजना बनाई गई है, जिससे सुरक्षा बलों की चौकसी में और बढ़ाया है। सेना दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए थर्मल इमेजिंग डिवाइस, नाइट विजन कैमरे और यूएवी ड्रोन जैसी उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है। 2024 में सुरक्षाबलों ने कई आतंकवादी कमांडरों सहित 50 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया, जिसमें से दो दर्जन पाकिस्तान के थे। इस दौरान सुरक्षा बलों को भी नुकसान हुआ, लेकिन सेना ने अपनी गश्त और निगरानी प्रणाली को मजबूत किया है। सेना के जवानों के ऑपरेशनों के दौरान ड्रोन की सहायता ली जाती है, जिससे नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की निगरानी की जाती है।

बिहार में मुर्गी फार्म में लगी आग, 1200 चूजे जिंदा जलकर मरे

-पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ मामला दर्ज किया

पटना । पटना के जर्नादनपुर गांव में एक मुर्गी फार्म में असामाजिक तत्वों द्वारा आग लगाने का मामला आया है। संचालक कुंदन कुमार का कहना है कि बदमाशों ने वहां मौजूद मेरी मां को बंधक बनाया। मां की कान की बाली और सोने की चेन छीन लिया। डेढ़ लाख रुपए भी बदमाश ले गए। घटना की सूचना पर पहुंची अग्निशमन दल आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक 1,200 चूजे जिंदा जलकर मारे गए। चंदन कुमार ने बताया कि मां ऑफिस में आराम कर रही थी। उसके बाद छह-सात की संख्या में आए बदमाशों ने हमारे मुर्गी फार्म में चारों तरफ पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस आगजनी में 1200 चूजे जिंदा जले और 5 लाख रुपए का नुकसान हुआ। आग लगने की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।

भाजपा नेता नकवी का तंज, जेब में कौड़ी नहीं है लेकिन वादे करोड़ों के कर रहे केजरीवाल

नई दिल्ली । भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर फिजूलखर्ची का आरोप लगाया है। उन्होंने केजरीवाल पर तंज कसा कि जेब में कौड़ी नहीं है लेकिन वादे करोड़ों के कर रहे हैं। नकवी ने कहा, जेब में कौड़ी नहीं और चुनाव आते ही करोड़ों के वादे करते हैं। दिल्ली की सत्ता में काबिज हुए केजरीवाल को 10 साल बीत चुके हैं। 10 सालों में कई वादे किए, वादे करके लोगों के सामने यह हीरो बन गए। हकीकत में यह जीरो निकले हैं। दरअसल, भाजपा नेता केजरीवाल के उस पत्र का जवाब दे रहे थे। इसमें केजरीवाल ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को लिखा था। एक जनवरी को लिखे पत्र में केजरीवाल ने आरएसएस प्रमुख से चार सवाल पूछे। वहीं खबरें चल रहीं हैं कि आरएसएस दिल्ली चुनावों में भाजपा के लिए वोट मांगेगी। क्या ये सही है? इसके पहले लोग आपसे जानना चाहते हैं कि पिछले दिनों भाजपा ने जो गलत हरकतें की हैं, क्या आरएसएस उनका समर्थन करती है? भाजपा के नेता खुलकर पैसे बांटकर वोट खरीद रहे हैं। क्या आरएसएस वोट खरीदने का समर्थन करती है? बड़े स्तर पर गरीब, दलित, पूर्वांचली और झुग्गी में रहने वालों के वोट कटवाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि ये लोग कई कई सालों से यहां रह रहे हैं।

आगरा कोर्ट में कंगना रनोट पर फैसला 9 को

आगरा । बॉलीवुड एक्ट्रेस और हिमाचल प्रदेश की मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनोट गुरूवार को भी आगरा की एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश नहीं हुईं। कंगना के वकील भी पक्ष रखने के लिए नहीं पहुंचे। कोर्ट में बहस पूरी हुई। एडवोकेट और वादी रमाशंकर शर्मा ने कोर्ट में कहा- तीन बार नोटिस मिलने के बाद भी कंगना रनोट कोर्ट में पेश नहीं हुई हैं। उनकी तरफ से उनके वकील भी नहीं पहुंचे। इस पर कोर्ट ने आदेश दिया कि 9 जनवरी को कंगना को कोर्ट में तलब किया जाए। 9 जनवरी को कोर्ट अपना फैसला सुनाएगी। किसानों और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति अभद्र टिप्पणी के मामले में उन पर राष्ट्रद्रोह का केस लगाने की मांग की गई है।

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल बनाएगा नई पार्टी

-14 जनवरी को माघी मेले में घोषणा होगी, अकाली दल भी वार्षिक सम्मेलन करेगा

अमृतसर। असम की डिब्रूगढ़ जेल में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत बंद खालिस्तान समर्थक और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह 14 जनवरी को पंजाब की नई क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी का गठन करेंगे। श्री मुक्तसर साहिब में माघी पर्व के अवसर पर आयोजित माघी दा मेला के दौरान इसकी घोषणा की जाएगी। इस अवसर पर पंथ बचाओ, पंजाब बचाओ रैली का आयोजन किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। रैली के दौरान अमृतपाल सिंह के पिता और उनके करीबी सहयोगी पार्टी की घोषणा करेंगे। अपने विवादित बयानों और सिख पंथ से जुड़े मुद्दों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले अमृतपाल सिंह के इस कदम से क्षेत्रीय राजनीति में हलचल मच गई है। उनकी पार्टी के मुद्दे राज्य में सिख समुदाय के हितों की रक्षा करना और पंजाब की स्थानीय समस्याओं जैसे बेरोजगारी, कृषि संकट और पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

भारत से पंगा लेकर आर्थिक रूप से बर्बाद हो जाएगा बांग्लादेश, पाकिस्तान जैसी होगी हालत

चावल, गेहूं, प्याज, लहसुन, चीनी, कपास, अनाज के लिए भारत पर निर्भर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगस्त में शेख हसीना का तख्ता पलट होने के बाद बांग्लादेश ने भारत की खिलाफत करना शुरू कर पाकिस्तान-चीन से करीबी बढ़ाने लगा। हालांकि, वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर रहा है कि वह अलग-अलग जरूरत की चीजों के लिए भारत पर निर्भर है और दूरी बनाना उसकी अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी साबित होगा।

भारत एशिया में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। बांग्लादेश चावल, गेहूं, प्याज, लहसुन, चीनी, कपास, अनाज, रिफाइंड पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक और स्टील जैसी अलग-अलग जरूरी चीजों के लिए निर्भर है। 2022-23 में भारत और बांग्लादेश के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 16 बिलियन डॉलर था, इसमें बांग्लादेश का निर्यात करीब 2 बिलियन डॉलर था।

वहीं बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग, जो कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत का योगदान देता है। विडंबना यह है कि देश का कपड़ा उद्योग भी भारत पर बहुत अधिक निर्भर है, जो अपने कुल कपास उत्पादन का 35 प्रतिशत बांग्लादेश को निर्यात करता है। अगर भारत ये आयात रोक दे तब बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग बर्बाद हो जाएगा।जिसका बांग्लादेश के सकल घरेलू उत्पाद पर प्रतिकूल प्रभाव होगा, मुद्रास्फीति बेकाबू होगी और बेरोजगारी तेजी से बढ़ेगी, जिससे देश की अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी।

रिपोर्ट में बताया गया हैं कि हसीना के सत्ता से हटने के बाद से बांग्लादेश को 2 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, इस कारण देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत से भी कम हो गई है। इसके अलावा प्रति व्यक्ति आय में भी तेजी से गिरावट देखी गई है और बढ़ती महंगाई ने स्थिति को बेकाबू कर दिया है। सुरक्षा की दृष्टि से भी बांग्लादेश भारत पर निर्भर है। दोनों देश 4,367 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं और व्यापार के अलावा भारत ने पिछले 8 सालों में बांग्लादेश को 8 बिलियन डॉलर की सहायता दी है।

बंद होने के कगार पर हैं ये कंपनियां

बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग चीन के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा उद्योग है साथ ही कई टॉप ब्रांड्स अपने कपड़ों को बनाते हैं। ये इंडस्ट्री कथित तौर पर भारी घाटे का सामना कर रही है और कई कंपनियां बिगड़ती कानून व्यवस्था और देश में अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा के कारण अपने ऑपरेशन बंद करने के कगार पर हैं।

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को लेकर ईरानी सरकार ने दिया भरोसा, यमन सरकार से बात होगी

नई दिल्ली । यमन में फांसी की सजा पा चुकी भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को लेकर ईरानी सरकार की तरफ से राहत भरी खबर आई है। ईरान सरकार से जुड़े हुए सूत्रों के हवाले से पता चला है कि ईरान इस मामले को यमन सरकार के समक्ष उठाएगा। सूत्रों का कहना है कि ईरान सरकार ने मामले पर हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। दरअसल यमन के राष्ट्रपति मोहम्मद अल-अलीमी ने दो दिन पहले ही यमन की जेल में बंद केरल की नर्स निमिषा प्रिया को फांसी की सजा की मंजूरी दी थी। यमन कोर्ट ने भारतीय महिला नर्स निमिषा को हत्या का दोषी मनाकर फांसी की सजा सुनाई थी, जिस पर वहां के राष्ट्रपति ने मुहर लगाई थी। निमिषा 2017 से यमन की जेल में बंद है। निमिषा को यमन के नागरिक तलाल एब्दो महदी की हत्या का दोषी माना गया था। निमिषा पर आरोप थे कि उन्होंने महदी के पास जमा अपना पासपोर्ट पाने के लिए उन्हें बेहोशी के इंजेक्शन दिए लेकिन इन इंजेक्शन की वजह से महदी की मौत हो गई। केरल के पलक्कड़ निवासी नर्स निमिषा अपने पति और बेटी के साथ पिछले करीब एक दशक से यमन में काम कर रही थीं। यमन कोर्ट ने भारतीय महिला निमिषा को हत्या का दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। इस मामले में दोषी नर्स की मां ने यमन जाने की गुहार लगाकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। दिल्ली हाईकोर्ट में दायर याचिका में दावा किया गया था कि महदी ने नर्स को शारीरिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया था। उसका पासपोर्ट अपने कब्जे में ले लिया था।

डल्लेवाल के मामले में पंजाब सरकार को सुप्रीम कोर्ट से फिर फटकार, मामले को बिगाड़ने की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के मामले में पंजाब सरकार को फिर फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मान सरकार के अधिकारी और कुछ किसान नेता मीडिया में गलत धारणा फैला रहे हैं कि किसान नेता डल्लेवाल का अनशन खत्म कराने की कोशिश हो रही है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने बताया कि वह स्पष्ट करती है कि सुप्रीम कोर्ट ने कभी भी डल्लेवाल का अनशन खत्म कराने का निर्देश नहीं दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह सिर्फ उनकी सेहत को लेकर चिंतित हैं और उनके जल्द स्वास्थ्य होने की कामना करती है। सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि कोर्ट ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहती, लेकिन ऐसा लगता है कि पंजाब सरकार के अधिकारी और कुछ किसान नेता जमीनी स्तर पर स्थिति को और जटिल बनाने की कोशिश में लगे हैं। पीठ ने कहा, 'हमें डल्लेवाल के प्रति कुछ किसान नेताओं की सद्भावना को परखने की जरूरत है।' पीठ ने कहा कि चूंकि पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक मामले में डिजिटल माध्यम से पेश हो रहे हैं इसलिए उम्मीद है कि अदालत का संदेश निचले स्तर तक जाएगा। कोर्ट ने दोनों अधिकारियों से हलफनामा दाखिल करने को कहा जिसमें यह बताया गया हो कि 20 दिसंबर के उसके आदेश का कितना पालन किया गया है। इस आदेश में कोर्ट ने पंजाब सरकार को डल्लेवाल को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था।

वहीं पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने स्थिति को जटिल बनाने के किसी भी कोशिश से इंकार किया है। सिंह ने कहा है कि डल्लेवाल को अपना अनशन खत्म किए बिना चिकित्सा सहायता लेने के लिए मनाने के प्रयास हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए छह जनवरी की तारीख तय की है।

मनमोहन सिंह का स्मारक स्थल बनाने की प्रक्रिया शुरु, परिजन तय करेंगे जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह का स्मारक बनाए जाने की प्रक्रिया शुरु हो गई है। इसके लिए कई स्थानों का चयन कर उसकी सूची पूर्व पीएम के परिजनों को सौंप दी गई है। इससे पहले इस मामले में खूब राजनीति हुई थी।कांग्रेस का कहना था कि उन्हें वहीं मुखाग्नि दी जानी चाहिए थी, जहां उनका अंतिम संस्कार हो। निगम बोध पर उनके अंतिम संस्कार को अपमान करार देते हुए कांग्रेस ने हमला बोला था। वहीं सरकार का कहना था कि हम उनके स्मारक के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं और ट्रस्ट का इसके लिए गठन किया जाएगा। ऐसे में थोड़ा समय लगेगा।

इस बीच मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए केंद्र सरकार की एजेंसियों ने काम तेज कर दिया है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय लोक निर्माण विभाग और शहरी विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने कुछ जगहों को चिह्नित किया है। इन स्थानों पर मनमोहन सिंह का स्मारक बनाया जा सकता है। अधिकारियों ने जिन स्थानों को निरीक्षण किया है, उनमें किसान घाट, राष्ट्रीय स्मृति स्थल और राजघाट के पास की जगहें शामिल हैं। कहा जा रहा है कि इन स्थानों की सूची मनमोहन सिंह के परिवार को भी दी गई है और उनकी राय को लेते हुए ही कोई अंतिम फैसला लिया जाएगा। फिलहाल कोई स्थान तय नहीं हुआ है और मनमोहन सिंह की फैमिली से विकल्प चुनने को कहा गया है। स्मारक बनाने से पहले सरकार की पहल पर एक ट्रस्ट का गठन किया जाएगा। फिर उस ट्रस्ट के ही आवेदन पर जमीन का औपचारिक तौर पर आवंटन होगा और स्मारक बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। स्मारक का निर्माण केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की ओर से किया जाएगा। इसके लिए ट्रस्ट और विभाग के बीच एक एमओयू होगा। बता दें कि 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार की कैबिनेट एक प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसके तहत राष्ट्रीय स्मृति स्थल के नाम से समाधियों के लिए अलग जगह आवंटन का फैसला हुआ था। यह तय हुआ था कि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति जैसे पदों पर रहे नेताओं की समाधियां राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर बनाई जाए। माना जा रहा है कि मनमोहन सिंह के स्मारक को भी राष्ट्रीय स्मृति स्थल परिसर के भीतर ही बनाया जा सकता है। यहीं पर पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी का भी स्मारक बनाया गया है।

आरक्षण को लेकर राजनीतिक घमासान, उप समिति पर सबकी नजरें

- विभिन्न दलों और सामाजिक संगठनों के बीच मतभेद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर में आरक्षण व्यवस्था एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है, जिसमें विभिन्न दलों और सामाजिक संगठनों के बीच मतभेद हैं। एक ओर जहां सत्तारूढ़ दल इसे राजनीतिक मुद्दा मानते हुए आरक्षण व्यवस्था में बदलाव के विरोधी हैं, वहीं विपक्षी दल और कुछ सामाजिक संगठन इसे वर्ग आधारित न्याय सुनिश्चित करने के रूप में देख रहे हैं।जम्मू और कश्मीर में आरक्षण की व्यवस्था को लेकर 15 मार्च 2024 का एसओ 176 महत्वपूर्ण है, जो प्रदेश में आरक्षण के ढांचे को परिभाषित करता है। इसका उद्देश्य विभिन्न समुदायों को उनके हक का लाभ दिलाना है। कई लोग ओपन मेरिट के तहत सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के अधिकारों को लेकर चिंतित हैं। उनका कहना है कि आरक्षण की व्यवस्था ओपन मेरिट के अवसरों को सीमित कर सकती है, जिससे समाज के सामान्य वर्ग को नुकसान हो सकता है। आगा रुहुल्ला मेहदी और वहीद परा जैसे नेता मौजूदा आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की बात कर रहे हैं, जबकि बीजेपी इसे राजनीतिक मुद्दा मानती है और समाज को बांटने की कोशिश मानती है। भाजपा का दावा है कि यह मुद्दा मुख्य रूप से राजनीतिक दलों द्वारा उठाया जा रहा है और आरक्षण का प्रश्न अधिकतर राजनीतिक लाभ लेने के लिए उठाया जा रहा है। सामाजिक संगठनों का कहना है कि आरक्षण की व्यवस्था में सुधार की जरूरत है और आरोप लगाते हैं कि राजनीतिक दल इस व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं। वहीं जातीय जनगणना को इस मुद्दे का समाधान माना जा रहा है, क्योंकि इससे सही आंकड़े प्राप्त हो सकते हैं और आरक्षण की नीति को और ज्यादा उचित और प्रभावी बनाया जा सकता है। बिहार की तर्ज पर जातीय जनगणना करवाने का प्रस्ताव भी उठाया गया है। इस प्रक्रिया से यह पता चल सकेगा कि समाज के किस वर्ग को कितनी मदद की आवश्यकता है, और किसे किस प्रकार का आरक्षण मिलना चाहिए।

आम आदमी पार्टी ने सत्ता में एक दशक रहने के बाद भी कोई वादा पूरा नहीं किया: भाजपा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की सत्ता में एक दशक रहने के बाद भी कोई वादा पूरा नहीं किया है। भाजपा ने बुधवार को आम आदमी पार्टी और उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर अपना हमला तेज करते हुए उन पर दिल्ली के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता तथा सांसद सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि आप पार्टी यह विचार लेकर आई कि हम नई राजनीति ला रहे हैं। त्रिवेदी ने कहा कि आप गिरगिट की तरह रंग बदलती है। अरविंद केजरीवाल दिल्ली की जनता से झूठे वादे कर रहे हैं। आप नेता जो कहते हैं वो नहीं करते हैं। मोहल्ला क्लीनिक में भ्रष्टाचार उजागर हुआ। अब केजरीवाल को जनता समझ चुकी है।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने बिजली दरें कम करने, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, शिक्षा प्रणाली में सुधार करने, स्वास्थ्य सेवा बढ़ाने, स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने, लैंडफिल को हटाने, महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देने, झुग्गीवासियों के लिए आवास की पेशकश करने और यमुना को साफ करने का वादा किया था। हालांकि, इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने असुरक्षित बिजली तारों से राहत दिलाने का वादा किया। उन्होंने वादा किया था कि वह कूड़े के ढेर साफ करेंगे। हालांकि, बताया जा रहा है कि दिल्ली में कूड़े के ढेरों की ऊंचाई 8 मीटर तक बढ़ गई है।

त्रिवेदी ने केजरीवाल की दस प्रतिबद्धताओं का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में एक दशक रहने के बाद भी उनमें से कोई भी पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक विचित्र संवैधानिक उदाहरण भी 2024 में देश ने देखा। जब जेल से रहकर किसी मुख्यमंत्री ने सरकार को चलाया। भाजपा नेता ने कहा कि केजरीवाल पर आरोप लगा और उन्हें जेल जाना पड़ा। हालांकि केजरीवाल जेल जाने वाले पहले मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके पहले भी हेमंत सोरेन, मधुकोड़ा, लालू प्रसाद यादव, जयललिता, करूणानिधि ये सब भी पद पर रहते हुए जेल गए। परंतु लालू प्रसाद यादव ने इतनी मर्यादा रखी थी कि उन्होंने पद छोड़ दिया था। लेकिन 2024 एक ऐसा विस्मयकारी और विचित्र उदाहरण देश को देखने को मिला कि जिन्होंने (केजरीवाल ने) जेल जाने के बाद भी मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ा।

त्रिवेदी ने कहा कि आप पार्टी यह विचार लेकर आई कि हम नई राजनीति ला रहे हैं। आज की राजनीति में सभी राजनीतिक दलों के बीच सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता का संकट था। उन्होंने कहा कि आम जनता के बीच यह धारणा बन गई थी कि राजनेता जो उपदेश देते हैं, उस पर अमल नहीं करते। उन्होंने कहा क पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी और एनडीए ने इस धारणा को बदला और राजनीति में विश्वसनीयता स्थापित की। दूसरी ओर, आप विपरीत चरम का प्रतिनिधित्व करती है, जहां वे हमेशा अपने वादों को पूरा करने में विफल रहते हैं।

अजमेर शरीफ पर पीएम मोदी की ओर से चादर चढ़ाएंगे केंद्रीय मंत्री रिजिजू, हिंदू सेना ने किया विरोध

-पीएमओ को खत लिखकर अपील की मामला अभी अदालत में लंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार 11वीं बार अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाएंगे। उनकी ओर से केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू 4 जनवरी को ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर चादर चढ़ाएंगे। इस बीच हिंदू सेना ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से अजमेर शरीफ में चादर चढ़ाने का विरोध किया है। ये दरगाह असल में संकट मोचन महादेव मंदिर है। संगठन के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने पीएमओ में प्रिंसिपल सेक्रटरी को खत लिखकर मांग की है कि दरगाह में पीएम की ओर से चादर चढ़ाने के कार्यक्रम को तबतक के लिए सस्पेंड किया जाए जबतक कि दरगाह-मंदिर का मामला अदालत में लंबित है।

अजमेर शरीफ में सालाना उर्स 28 दिसंबर से शुरू हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछली बार भी दरगाह पर चादर भेजी थी जिसका रंग भगवा था। तब बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने पीएम की ओर से दरगाह पर चादर चढ़ाई थी। उससे पहले तब के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी प्रधानमंत्री मोदी की ओर से चादर चढ़ाने जाते थे। इस बार केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू पीएम की तरफ से चादर लेकर अजमेर शरीफ जाएंगे। वह दरगाह की वेबसाइट और गरीब नवाज एप की

लांचिंग करने वाले है।

वहीं प्रधानमंत्री मोदी की ओर से अजमेर शरीफ में चादर चढ़ाने का हिंदू सेना ने विरोध किया है। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुप्ता ने पीएमओ को खत लिखकर अपील की है कि पीएम ऐसा न करें। वे संकट मोचन महादेव मंदिर बनाम अजमेर दरगाह ख्वाजा साहेब केस में याचिकाकर्ता हैं और मामला अजमेर वेस्ट डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में लंबित है। उन्होंने दावा किया है कि इस मामले में उन्होंने कोर्ट में इस बात के पर्याप्त सबूत पेश किए हैं कि अजमेर शरीफ में प्राचीन हिंदू शिव मंदिर मौजूद है, जिसका निर्माण चौहान वंश ने किया था। इस मामले में उन्होंने समूचे अजमेर दरगाह शरीफ परिसर के वैज्ञानिक सर्वे की मांग की है।

आतंकी साधु, पुजारी, अघोरी और गेरुआ वस्त्र धारण कर मेला में प्रवेश कर सकते

-इंटेलिजेंस ब्यूरो ने लोकल इंटेलिजेंस यूनिट को भेजी गोपनीय रिपोर्ट

प्रयागराज (एजेंसी)। कुछ आतंकी संगठनों ने प्रयागराज महाकुंभ-2025 को टारगेट करने की कोशिश में है। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट ने यूपी के गृह मंत्रालय को एक गोपनीय रिपोर्ट भेजी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खालिस्तानी और पाकिस्तानी आतंकी, प्रॉक्सी नाम से महाकुंभ को टारगेट कर सकते हैं। उन्होंने अपने स्लीपर सेल को सक्रिय करने का काम भी शुरू कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट में दावा है कि आतंकी साधु, पुजारी, अघोरी और गेरुआ वस्त्र धारण कर मेले में प्रवेश कर सकते हैं। इसकारण महाकुंभ में सीक्रेट पुलिसकर्मियों को साधुओं के वेश में तैनात किया जा रहा है, ताकि वे मेला क्षेत्र में हर गतिविधियों पर नजर रख सकें। ये कुंभ मेले में भीड़भाड़ वाले स्थानों पर, अखाड़ा के पंडालों में और संगम तट पर तैनात रहने वाले है।

एटीएस से लेकर एनआईए तक सक्रिय रिपोर्ट को गंभीरता से लेकर यूपी गृहमंत्रालय ने अपने सभी विंग को सक्रिय कर दिया है। कुंभ मेला में बम डिस्पोजल स्क्वॉड और एनआईए की टीमें काम कर रही हैं। इस अलर्ट के बाद मेला क्षेत्र में प्रवेश करने वाले लोगों की जांच शुरू हो गई है। हर एंट्री पॉइंट पर रजिस्टर लेकर पुलिसकर्मी खड़े हैं। गाड़ी से मेले में आने वालों के नाम, पता व मोबाइल नंबर दर्ज हो रहे हैं। आधार कार्ड से उनका मिलान हो रहा है।

जिन गाड़ियों पर संदेह हो रहा है, उनकी गहन जांच हो रही है। संदिग्ध गाड़ियों और लोगों की तस्वीरें खींचकर उनका मिलान पुलिस के पास मौजूद डेटाबेस से किया जा रहा है। इसके अलावा एआई आधारित सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और एंटी ड्रोन सिस्टम से मेले की सुरक्षा को पुख्ता किया गया है। इस रिपोर्ट के बाद पुलिस डिपार्टमेंट और साइबर सेल ने 6 हजार से ज्यादा सोशल मीडिया प्रोफाइल सर्च किए हैं।

बिहार सरकार को भारी पड़ता युवाओं पर लाठीचार्ज का मुद्दा

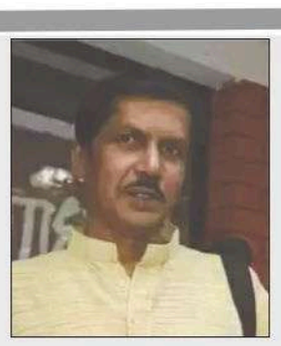

कुमार कृष्णन

यह मामला नीतीश कुमार पर इसलिये भारी पड़ सकता है क्योंकि रोजगार बिहार का एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। जिस तरह से राज्य की इस सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण परीक्षा को सरकार की कार्यपद्धति ने संदिग्ध और अपारदर्शी बना दिया है, उसके कारण युवाओं एवं आम जनता में भारी रोष है। लोगों को अब वे दिन भी याद आ रहे हैं जब जेडीयू एवं आरजेडी की सरकार थी और उस समय बड़ी तादाद में लोगों को रोजगार मिले थे।

बिहार में राजनीति कैसे खेल दिखाती है यह तब स्पष्ट दिखाई दिया जब दिसम्बर माह की हाड़ कंपकपाती ठंड के बावजूद आंदोलनरत छात्रों पर पानी की बौछार करवाने की जरूरत उन नीतीश कुमार को पड़ गयी जो स्वयं 1974 के छात्र आंदोलन की उपज हैं। बिहार लोक सेवा आयोग यानि बीपीएससी छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना के बाद बिहार की सियासत में उबाल आ गया है। छात्रों पर लाठीचार्ज के बाद अब दूसरे दलों के नेता भी इस मामले में राजनीति करने लगे हैं। पूरे विपक्ष ने नीतीश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वही पटना की बर्बरतापूर्ण घटना के खिलाफ दूसरे जिलों में भी छात्रों का विरोध प्रदर्शन आरंभ हो गया है। कहा तो यह भी जा रहा है कि बीपीएससी ने जितनी छवि नीतीश कुमार की खराब की है, उतनी किसी ने नहीं की है। पूरे देश में सबसे ज्यादा वैकेंसी बिहार में आई, लेकिन बीपीएससी ने परीक्षा सही तरीके से नहीं कराई और सबसे ज्यादा बदनामी करा दी।

बिहार में बीपीएससी परीक्षा में धांधली को लेकर छात्रों का आंदोलन उठ खड़ा हुआ है। छात्रों की मांग है कि सभी 912 केन्द्रों में बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षाएं दोबारा हों। इस मांग पर पखवाड़े भर से जारी आंदोलन को कुचलने के लिये बिहार सरकार अब बर्बरता पर उतर आई है। रविवार की रात को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास एकत्रित हजारों परीक्षार्थियों पर पुलिस ने भीषण लाठी चार्ज किया और कड़कड़ाती ठंड में पानी की बौछारें की। यहां आंदोलनकारियों का जमावड़ा सुबह से होने लगा था जिन्हें पुलिस बार-बार चेतावनी दे रही थी कि उन्हें प्रदर्शन की इजाजत नहीं है। इसे अनसुना करते हुए बड़ी संख्या में एकत्र हुए परीक्षार्थी पुलिस के बल प्रयोग से घायल हुए हैं तथा अनेक लोगों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज हुई है।

नौजवानों के इस जुटान का फायदा लेने के लिये जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी पहुंचे और मुख्य सचिव से मिल आये। लौटकर उन्होंने इस बात का श्रेय लेने की कोशिश की कि 'वे 5 प्रतिनिधियों के मिलने की अनुमति लाने में सफल हुए हैं। यदि इसके बाद भी परीक्षार्थी संतुष्ट न हुए तो उससे ऊपर बात की जायेगी।' हालांकि रविवार को जब लाठी चार्ज हो रहा था, तो वे भी मौके से गायब ही हो गये थे। बहरहाल, यह मुद्दा अब लगातार गर्मा रहा है और लोगों में रोष है। बिहार विधानसभा चुनाव भी होने हैं जिसके लिये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य भर में प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। युवाओं के साथ यह जुल्म और उनकी अनसुनी नीतीश व उनकी गठबन्धन सरकार को महंगी पड़ सकती है।

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70 वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने और दुबारा परीक्षा कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल और लाठी चार्ज के मामले को लेकर सोमवार को पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मुलाकात की। राजभवन से निकलने के बाद सांसद पप्पू यादव ने कहा कि राज्यपाल ने उनकी बातों को सुना। उन्होंने बताया, 'राज्यपाल ने उनके सामने ही बीपीएससी चेयरमैन से बात की और जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को बुलाने की बात कही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से बात करने का भी भरोसा दिया है। उन्होंने लाठीचार्ज की जांच की बात भी की है।' पप्पू यादव ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर नाम लिए बिना कहा कि 'फ्रॉड किशोर' ने बच्चों को गालियां दीं। वे बच्चों की ताकत नहीं जानते हैं। निर्दलीय सांसद ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा है। इसमें परीक्षा को पूर्ण रूप से रद्द करने और पुनर्परीक्षा कराने तथा लाठीचार्ज के दौरान महिला परीक्षार्थियों के साथ दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच तथा प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग की है।

इससे पहले पप्पू यादव ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर-के प्रशांत किशोर पर अभ्यर्थियों को धमकाने का आरोप लगाते हुए लिखा, 'प्रशांत किशोर खुद नया नेता बने हैं, और छात्रों को धमका रहे हैं, अपनी औकात का धौंस दिखा रहे हैं। आज जब धेले भर की चुनावी औकात नहीं है तो अहंकार टपक रहा है, छात्रों के सामने बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। छात्र पुलिस से पिट रहे थे आप पीठ दिखाकर भाग गए, सवाल पूछने पर गाली?' पप्पू यादव के मिलने के बाद बीपीएससी के चेयरमैन ने भी राज्यपाल से मिलकर उन्हें पूरी स्थिति से अवगत करा दिया है। पप्पू यादव के सामने ही राज्यपाल ने फोन कर बीपीएससी की चेयरमैन को बुलाया था। दूसरी ओर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलनरत अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा से मिला। हालांकि, इस बातचीत का फिलहाल कोई नतीजा नहीं निकला है। इस बीच छात्रों ने धरना जारी रखने का निर्णय लिया है।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल अनु कुमारी ने कहा, 'उन्होंने हमारी सारी बातों को सुना, ऐसा लगता है कि निर्णय होगा। उन्होंने कहा कि ब्यूरोक्रेसी में एक पैमाना होता है, निर्णय लेने का। जांच करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री के पटना आने के बाद मुलाकात करवाने का भी आश्वासन दिया।' राम कश्यप ने कहा, 'उनका कहना था कि एक केंद्र पर 18 हजार बच्चे हैं। ऐसा पहले भी हुआ है कि एक परीक्षा केंद्र की परीक्षा रद्द की गई है। इसके बाद मैंने 28 केंद्रों की सूची सौंपी, जिसमें अनियमितता बरती गई। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सुभाष का कहना है कि जब तक निर्णय नहीं होता है तब तक धरना जारी रहेगा। मुख्य सचिव को कुछ सबूत भी दिए गए हैं। हम लोगों ने 4 जनवरी की बापू परिसर में पुनर्परीक्षा को स्थागित करने की बात भी कही है तथा छात्रों पर हुए मुकदमे को वापस करने की मांग रखी गई है।

70 वीं संयुक्त (प्रारम्भिक) परीक्षा को लेकर 18 दिसम्बर से प्रदर्शन जारी है। रविवार को परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन का ऐलान कर रखा था। पुलिस ने पहले ही मैदान के सारे गेट बन्द कर दिये। परीक्षार्थी फिर भी मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने लगे। उन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। जब वे इसके बावजूद नहीं रुके तो उनके खिलाफ बल प्रयोग किया गया। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा के लिये सितम्बर में विज्ञापन जारी हुआ था। इसमें शामिल होने के लिये लगभग 5 लाख लोगों ने आवेदन किया था। 3.25 लाख ने 13 दिसम्बर को परीक्षा दी परन्तु इसके पर्चे लीक होने, कई कोचिंग संस्थानों द्वारा दिये गये प्रश्नपत्रों से सवाल मिलने तथा अन्य अनियमितताओं के कारण इस परीक्षा को रद्द करने की मांग होने लगी, लेकिन बीपीएससी परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि 'परीक्षा रद्द होने का सवाल ही नहीं है। बेहतर है कि परीक्षार्थी मुख्य परीक्षा की तैयारियों में जुट जायें।'

यह मुद्दा कहां तक जाता है और सरकार परीक्षार्थियों की मांगें पूरी करती है या नहीं, यह तो आने वाला वक़्त ही बतायेगा, परन्तु रविवार के प्रदर्शन में हुई पुलिस कार्रवाई का खामियाजा नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) एवं सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के गठबन्धन को भुगतना पड़ सकता है जिन्हें फिर से जनता का सामना करना है। प्रदर्शनकारियों का तो साफ कहना था कि 'उनकी परीक्षा के बाद 2025 में नीतीश कुमार सरकार की परीक्षा होगी।' इशारा साफ है कि दोनों पार्टियों का मताधार खिसक सकता है।

सीपीआई एमएल तो पहले से ही इस आंदोलन का समर्थन कर रहा है। प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता व पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि 'परीक्षार्थियों के साथ जो ज्यादती की गयी है, उसे देखकर कलेजा कांप जाता है।' अन्य विपक्षी दल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी आदि भी नीतीश सरकार पर हमलावर हो गये हैं। केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठी चार्ज को गलत बताया है।उन्होंने कहा कि पटना में हुए छात्रों पर लाठीचार्ज और वाटर कैनन के इस्तेमाल का मैं कभी समर्थक नहीं रहा, पुलिस को संयम बरतना चाहिए। छात्र अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे हैं, तो उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से समझा कर उनकी समस्याओं के निदान के लिए प्रयास करना चाहिए, न कि लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मैंने मुख्यमंत्री से भी कहा है कि ऐसे पुलिस अधिकारी जो ऐसे कार्यों में संलिप्त पाए जाते हैं, उन पर भी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।'

संपादकीय

ठंड़ी नहीं हुई है आग

मणिपुर में पिछले दिनों जो भी भयावह घटा, जिस तरह से दो मुख्य समुदायों मेइती और कुकी के बीच खुली झड़पें हुई, हत्या, रेप और आगजनी की घटनाओं के बाद पलायन-विस्थापन हुआ उसने समूचे भारतीय लोकतंत्र को झकझोर दिया था। प्रदेश की बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को इस ड़रावनी हिंसा पर नियंत्रण न कर पाने के लिए प्राथमिक तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाना था, ठहराया भी गया। एक सहज सवाल जिस तरह जिंदा था, वह आज भी जिंदा है कि आखिर, प्रदेश और केंद्र की शक्तिमान मोदी सरकार हिंसा पर लगाम क्यों नहीं लगा सकीं। इसका एक उत्तर यह है कि वहां की घटनाएं कानून व्यवस्था की सामान्य घटनाएं नहीं थीं। दो समुदायों के बीच उनके तमाम आर्थिक हित-अहित के बावजूद पहचानगत विद्वेष से जन्मी घटनाएं थीं। दुनिया में जिस तरह से विभिन्न समुदायों के बीच पहचानगत दुराग्रहों को लेकर टकराहटें बढ़ रही हैं, उसी का उदाहरण मणिपुर में मिलता है। तिस पर इस सीमांत राज्य में घुसपैठ, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी आदि राज्येतर शक्तियों का भी खासा प्रभाव रहा है। याद रखना चाहिए कि जिन्हें ड़ीपस्टेट कहा जाता है वे शक्तियां, जो आंतरिक भी हो सकती हैं और देश के बाहर भी, पहचानगत टकराहटों का फायदा उठाती हैं। मणिपुर में यह खेल शातिर तरीके से खेला गया। पहचानगत टकराहटों के बीच अनेकानेक शक्तियों के हित भी शामिल हों तो किसी भी लोकतांत्रिक राज्य के लिएइन पर काबू पाना आसान नहीं होता। इस समय तो और भी नहीं जब संलिप्त कोई समूह अपनी आस्था के केंद्रों की पहचान सीमा पार के समूहों के साथकरता है। अब वहां की स्थितियां काफी नियंत्रित हो गई हैं। शायद इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए और पुनः वैधता प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री सिंह ने क्षमा याचना की हो। बहरहाल, मुख्यमंत्री की नये वर्ष के शुभारंभ पर शांति की अपील के कुछ सार्थक परिणाम मिलते हैं तो इसका औचित्य सिद्ध होगा। फिर भी न राज्य और न केंद्र सरकार हालात में तात्कालिक सुधार को लेकर निश्चिंत हो सकती हैं। पहचानगत समस्याओं का हल गहरी समझदारी, राजनीतिक कौशल और दोनों समुदायों के बीच पारस्परिक सहकार के समुचित सूत्रों को मजबूत करके ही प्राप्त किया जा सकता है। मणिपुर की आग धधक भले ही न रही हो लेकिन सुलग अब भी रही है। भविष्य यह निर्धारित करेगा कि केंद्र और राज्य की सरकार इसे पूर्णतः बुझाने में किस तरह और कब तक सफल होती हैं।

चिंतन-मनन

धर्मराज युधिष्ठिर ने निभाया था भ्रातृ धर्म

गहन वन से तृषार्त पाण्डव गुजर रहे थे। पानी की तलाश में वे इधर-उधर घूम ही रहे थे कि अकस्मात उन्हें एक सरोवर दिखाई दिया। भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव जल पीने के पूर्व ही मृत्यु का ग्रास बन गए। कारण यह था कि एक यक्ष ने उनसे प्रश्न किए थे, किंतु उन्होंने उस ओर ध्यान नहीं दिया और बिना जवाब दिए ही पानी पीने लगे। लेकिन वे यक्ष का कोपभाजन बने और उन्हें मृत्यु प्राप्त हुई। इतने में युधिष्ठिर आए और पानी पीने की कोशिश करने लगे। उनसे भी यक्ष ने प्रश्न किए, जिनके युधिष्ठर ने समुचित उत्तर दे दिए। तब यक्ष ने प्रसन्न होकर कहा, तुम जल पीने के अधिकारी हो। मेरी इच्छा है कि तुम्हारे चारों भ्राताओं में से किसी एक को जीवन दान दूं। बोलो, मैं किसे पुनर्जीवित करूं?

प्रश्न बड़ा ही विचित्र था और साथ ही कठिन भी, क्योंकि युधिष्ठिर को चारों भाई एक समान प्रिय थे, तथापि एक क्षण भी सोचे बिना वे बोले, यक्षश्रेष्ठ आप नकुल को ही जीवन दान दें। यक्ष हंस पड़ा और बोला, धर्मराज, कौरवों से युद्ध में भीम की गदा और अर्जुन का गांडीव बड़ा ही उपयोगी सिद्ध होगा। इन दो सगे भाइयों को छोड़कर नकुल का जीवन क्यों चाहते हो। धर्मराज बोले, यक्षश्रेष्ठ हम पांचों भ्राता ही माताओं के स्नेह चिह्न हैं। माता पुंती के पुत्रों से मैं शेष हूं, किंतु माद्री मां के तो दोनों ही पुत्र मर चुके हैं। अत? यदि एक के ही जीवन का प्रश्न है, तो माद्री मां के नकुल का ही पुनर्जीवन इष्ट है। यक्ष ने सुना, तो भावविह्वल हो बोला, युधिष्ठिर तुम धर्मतत्व के ज्ञाता हो, मैं तो सिर्फ तुम्हारी परीक्षा ले रहा था कि तुम वास्तव में धर्म के अवतार हो या नहीं। अतएव मैं चारों भाईयों को जीवन देता हूं।

संघ की पीड़ा-शताब्दी वर्ष में यह असहनीय उपेक्षा....?

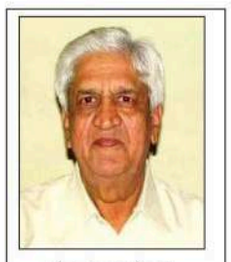

ओमप्रकाश मेहता

भारत की आजादी का यह 78वां साल है और गणतंत्र का हीरक वर्ष, इस लम्बी अवधि के दौरान अधिकांश समय तो कांग्रेस का ही राज रहा, किंतु पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में लगाए गए ढाई वर्षीय आपातकाल के बाद देश के वोटर ने नया प्रयोग कर प्रमुख प्रतिपक्षी दलों द्वारा गठित जनता पार्टी को शासन का मौका दिया, वह आजाद भारत में पहला गैर कांग्रेसी शासन था, उसके बाद अटल जी का राज आया और उसके एक दशक बाद पुनः सत्ता भाजपा के हाथों में आ गई और 2014 में श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी प्रधानमंत्री बने जो आज भी यथावत है, आज राज-काज का यह इतिहास बताने का मेरा मुख्य मकसद यह है कि हमारे देश के आम वोटर की भी धारणाऐं समय-समय पर बदलती रही और प्रतिपक्षी दलों की सरकारें भी बनती रही और चूंकि भारत में केन्द्रीय स्तर पर केवल दो ही प्रमुख राजनैतिक दल मुख्य है, इसलिए देश की सत्ता इन्ही दोनों दलों कांग्रेस या भारतीय जनता पार्टी (पूर्व जनसंघ) के हाथों में ही केन्द्रित रही। इस दौरान 1977 के जनता पार्टी राज के बाद पिछली सदी के अंत में देश में भाजपा की सरकार बनी थी और उसके बाद 2014 में और इस दौरान मुख्य रूप से भाजपा का ही राज रहा और उसके सहयोगी संगठनों का भी बोलबाला रहा, जिनमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस.एस.) भी शामिल है, भाजपा की पिछली सरकारें खासकर अटल जी की सरकार के समय भी संघ का वर्चस्व रहा, किंतु अब पहली बार मोदी जी के शासन के इस दौर में संघ अपने आपकों उपेक्षित और तिरस्कृत समझ रहा है और उसे महसूस हो रहा है कि पिछले एक दशक से उसकी कोई पूछ परख नही है, आज इसी बात की पीड़ा संघ प्रमुख मोहन भागवत के मुख मण्डल पर स्पष्ट नजर आ रही है, अब मोदी जी व उनकी सरकार कोई भी बड़ा फैसला लेने के पहले संघ से न तो बात करती है और न ही संघ के पदाधिकारियों को विश्वास में ही लेती है, मतलब यह कि इसी कारण संघ व उसके पदाधिकारी अपने आपको उपेक्षित और ठगा सा महसूस कर रहे है और यह सब पहली बार हो रहा है, संघ प्रमुख जिनके कि नेतृत्व में कभी भाजपा, विश्व हिन्दू परिषद आदि संगठन हुआ करते थे, आज संघ व उनके पदाधिकारियों की कोई पूछ-परख ही नही है, संघ ने कभी सपने में भी ऐसे समय की कल्पना नही की थी, अब न तो मौजूदा केन्द्रीय सरकार में और न ही भाजपा संगठन में संघ की कोई पूछ-परख है, अर्थात आज संघ पूरी तरह से हर तरफ से उपेक्षित है, यही पीड़ा संघ प्रमुख को दिन-रात सताए जा रही है और इसी पीड़ा में संघ प्रमुख की नित नई बयानबाजी उनकी 'कराह के रूप में प्रकट कर रहे है'।

अब इन हालातों का भविष्य में किस पर क्या असर होगा? देश के आम वोटर की सहानुभूति किसके साथ रहेगी? यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु राजनैतिक दलों को यह ध्यान रखना चाहिए कि आज के देश का आम वोटर उतना 'नादान' नही रहा है, जितना कभी था, इसलिए राजनीतिक दलों को अपनी भूमिका और उसका भविष्य सोच समझकर तय करना पड़ेगा।

कांग्रेस हरियाणा नहीं हारती तो 25 की शुरूआत अलग होती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल है। इस वर्ष वे बतौर प्रधानमंत्री 11 वर्ष पूरे करेंगे। वे तीसरी बार प्रधान मंत्री बने हैं। मीडिया ने बहुत उछाला कि नेहरू के रिकार्ड की बराबरी। मगर नेहरू जब तक प्रधनमंत्री रहे 1964 तक तब तक उनके काम ही चर्चा के केन्द्र में रहे। और 27 मई 1964 के बाद आज तक भी वे ही टाक आफ द टाउन (जिसकी हर जगह चर्चा होती है, सिर्फ उसी की बातें होती हैं) हैं।

नया साल शुरू हुआ है। बात तीन बार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम की होनी चाहिए। मगर नेहरू को रिप्लेस करके अगर कोई उस जगह चर्चा के केन्द्र में आता है तो वह फिर राहुल होते हैं। 11 साल से या साढ़े दस साल कहें विपक्ष में ही हैं। मगर चाहे मीडिया हो या सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा और या मोदी सरकार सब 2024 के जाने से पहले और 2025 के आने के बाद भी राहुल को ही याद कर रहे हैं।

वह तो हाथ में आया हरियाणा टपका दिया नहीं तो इस समय खाली याद ही नहीं कर रहे होते राहुल दिमाग में छाया होता। फोबिया हो जाता। लोकसभा चुनाव में शानदार ढंग से मोदी जी को 240 पर रोक लिया था। यह वैसा ही था जैसा 2017 के विधानसभा चुनाव में गुजरात में इसी राहुल ने भाजपा को 99 पर रोका था। मगर कन्सिस्टेन्सी (निरंतरता) जिसे भारतीय क्रिकेट टीम भी बार बार भूल जाती है नहीं रख पाने के कारण फिर अपने विरोधियों को नया मौका दे देती है।

हरियाणा में कांग्रेस ने यही कहा। राहुल ने बहुत लूज शाट खेला था। यह कहकर कि यह आपस में लड़ जाते हैं फिर इन्हें एक करने का काम मेरा है। गुटबाजी की बात इतनी हल्की नहीं थी कि राहुल इस तरह का केजुअल शाट खेल देते। मगर राजस्थान में भी इस तरह खेला और नतीजा वही हुआ। मैच गंवा दिया।

अब बेलगावी कर्नाटक के सीडब्ल्यूसी में घोषणा की है कि यह साल 2025 संगठन का साल बनाएंगे। देखते हैं! संगठन को लेकर क्या सोच है इनकी। वैसे तो दो साल से ज्यादा हो गए हैं खरगे जी को अध्यक्ष बने। अब तक तो सब हो जाना चाहिए था। जिनके हेड रोल्स (सख्त सजा) होना थे हो जाना चाहिए थे। और जिन नए लोगों को मौका मिलना था मिल जाना चाहिए था।

बेलगावी की सीडब्ल्यूसी में एक बात बहुत खास कही गई है। अगर इन लोगों ने खरगे, राहुल, प्रियंका ने कर दी तो कांग्रेस का रूप चेंज हो जाएगा। वह बात कही गई है कि हम संगठन के लिए लोगों को ढुंढ कर निकालेंगे। यह काम इन्दिरा गांधी करती थीं। जनता में से पार्टी के सिम्पेथाइजर निकालना, उनमें से कार्यकर्ता बनाना और कार्यकताओं को नेता बनाना। संगठन का तरीका ही यही है। आज की कांग्रेस को तो सिम्पेथाइजर शब्द मालूम ही नहीं होगा।

कार्यकर्ता को तो भूल ही गए हैं। और नेता वही दिखते हैं जो इस गोदी मीडिया को खुश करके उसमें खुद को दिखाते रहते हैं। पता नहीं राहुल प्रियंका के दिमाग में यह सवाल आता है कि नहीं कि इनसे पूछें कि तुम्हें यह मीडिया इतना दिखा कैसे देता है? जो रात दिन हम लोगों को कोसता रहता हो। कांग्रेस के नाम में ही कीड़े निकालता रहता हो वह तुमसे किस बात पर खुश है? मीडिया कांग्रेस के नाम पर खरगे, राहुल, प्रियंका को दिखाए, कांग्रेस की बातें बताए तब तो पार्टी को कुछ फायदा है। वरना इन कुछ नेताओं के मीडिया में चमकने से कांग्रेस को क्या फायदा?

खैर हरियाणा में कांग्रेस ने अपना बहुत बड़ा नुकसान किया। अगर यह आपस में इस गंदे तरीके से नहीं लड़ते तो ईवीएम की कोशिशें भी शायद असफल हो जातीं। ईवीएम एक पहलू है। मगर जब पार्टी खुद ही कमजोर हो जाए तो ईवीएम को तो दूगनी ताकत से अपना खेल करने का मौका मिल जाता है। और मान लीजिए ईवीएम ने हराया तो फिर क्या यह भी मान लें कि आपने कोई गलती नहीं की। कोई नहीं चिल्ला रहा था कि मुझे मुख्यमंत्री बना दो। क्या मैं बनुंगा मुख्यमंत्री, मैं बनुंगी के प्रलाप से कोई नुकसान नहीं हुआ? तो फिर पार्टी अध्यक्ष खरगे ने नवंबर में दिल्ली की सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में यह क्यों कहा कि पार्टी के नेता एक दूसरे के हराने में लगे हुए थे?

तो अगर हरियाणा नहीं गंवाया होता तो महाराष्ट्र में भी सीन यह नहीं होता। और 2025 कांग्रेस बहुत उत्साह से शुरू करती। लेकिन उत्साह कहीं नहीं है। भाजपा जिसमें होना चाहिए वह अपनी नकारात्मकता से निकल ही नहीं पा रही। गुजर गए मनमोहन सिंह से घबरा गई। उनके खिलाफ व्हट्सएप मुहिम शुरू कर दी। गांधी नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह सब खराब हैं। और इनमें सबसे उपर राहुल। राहुल के पीछे ऐसे पड़े रहते हैं जैसे राहुल के बारे में अगर एक दिन भी खराब बोलना बंद कर देंगे तो राहुल छा जाएगा।

उन्हें यह नहीं मालूम कि राहुल तो छाया हुआ है। बस अपने खुद स्वभाव के कारण फिनिशर नहीं बन पा रहा। पहले भारत की क्रिक्रेट टीम के साथ भी यह समस्या थी। मगर फिर उन्होंने मैच फिनिश करना सीखा। मतलब खेले तो अच्छा और जीते भी। देखते हैं 2025 जिसके बारे में कांग्रेस ने अपनी बेलगावी सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में बड़ी बड़ी घोषणाएं की हैं क्या होता है। संगठनका महत्व है अपना। मगर नेतृत्व का सबसे ज्यादा है। नेतृत्व अपने नेताओं को जवाबदेह बनाने वाला होना चाहिए। इन्दिरा गांधी का नेतृत्व तो डर पैदा करता था। डर इस बात का कि नेता गलत करेगा तो बचेगा नहीं। 1980 वापसी करते ही अर्जुन सिंह को बना दिया था मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री। सारे बड़े बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री श्यामाचरण शुक्ल प्रकाश चंद सेठी देखते रह गए। नया नेतृत्व पैदा कर दिया था।

पता नहीं राहुल अपने मुख्यमंत्रियों से कामों का हिसाब किताब भी मांगते हैं या नहीं? ऐसे ही पार्टी के महासचिवों, प्रदेश अध्यक्षों, डिपार्टमेंट के चैयरमेनों से। यह काम नेतृत्व में किसी को करना पड़ेगा। खरगे खुद करें, प्रियंका करें। और राहुल जो वकाई कांग्रेस के सबसे बड़े जननेता हैं वे करें तो सबसे अच्छा।

अभी राहुल का समय है। बीजेपी का कोई दांव कामयाब नहीं हो रहा। उनके विदेश जाने को मुद्दा बनाया जा रहा है। मगर नहीं बन रहा। लोग मानने लगे हैं कि राहुल उन जैसे हैं। हिप्पोक्रेट नहीं हैं। झूठे हार्ड वर्क 16- 18 घंटे काम करने की कहानी नहीं फैलाते हैं। छुट्टी जैसे हम सब मनाते हैं वह भी मनाते हैं। सबको मनाना भी चाहिए।

मगर यह जो राहुल का समय है जिसे क्रिकेट में फार्म कहते हैं। हमेशा रहने वाला नहीं है। फार्म को हमेशा अस्थाई माना जाता है। टेंपरेरी। क्लास को परमानेंट। स्थाई। राजनीति में क्लास क्या है? उच्च स्थिति में। अपने निर्णयों को मनवाना। मेहनत तो राहुल बहुत करते हैं। जनता में भी बहुत जाते हैं। दो यात्राएं जबर्दस्त रहीं। समाज के अलग कामकाजी समूहों में जा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर लोकसभा में प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं। हर काम में परफेक्ट। मगर नेता का काम होता है लोगों से काम लेना। सबसे बड़ा काम वही है। राजीव गांधी क्या कोई कम अच्छे प्रधानमंत्री थे? मगर टीम पर नियंत्रण नहीं रखा। परिणाम कुर्सी तो गई बदनाम अलग हुए। बाद में वीपी सिंह ने कहा कि बोफोर्स में कुछ नहीं था। मगर उसका क्या मतलब। ऐसा ही अब 2 जी में कहा गया। मगर अब क्या? राजीव गांधी भी चले गए मनमोहन सिंह भी चले गए।

नेता को अपने सामने स्थितियों पर कंट्रोल रखना होता है। गलत को गलत सामने साबित करना और अपने नेताओं से करवाना होता है 1977 की हार को इन्दिरा गांधी 1980 में गलत साबित कर दिया। अगर इससे ज्यादा टाइम लगा देतीं तो आज कहीं कांग्रेस होती भी? बाकी अभी राहुल का समय है। मगर उसका उपयोग कितना हो पा रहा है यह कांग्रेस को और खुद उन्हें देखना और सोचना है।

-शकील अख़्तर

सर्दियों में ठंडे पानी से नहाते समय बरतें सावधानी, सिर पर पानी डालना हो सकता है खतरनाक!

सर्दियों में ठंड के बढ़ते असर के साथ कई शारीरिक समस्याएं भी सामने आ सकती हैं। खासकर दिल से जुड़ी समस्याओं में वृद्धि हो जाती है, और एक अध्ययन के अनुसार सर्दियों में हार्ट अटैक का खतरा 53त्न तक बढ़ सकता है। ऐसे में हमें अपने दिल का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। जानिए सर्दियों में अपनाने वाली 5 अहम सावधानियां, जो आपको दिल से जुड़ी समस्याओं से बचा सकती हैं।

नहाते समय सिर पर ठंडा पानी न डालें, पहले पैरों पर डालें

सर्दियों में ठंडे पानी से नहाना खतरनाक हो सकता है, खासकर अगर आप इसे सीधे सिर से शुरू करते हैं। ऐसा करने से मस्तिष्क की महीन नलिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह प्रभावित होता है। इस स्थिति में ब्रेन स्ट्रोक या हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। त्वचा रोग विशेषज्ञों के अनुसार सर्दियों में नहाने का समय भी कम रखना चाहिए, अधिकतम 5 से 10 मिनट। नहाने के लिए गुनगुना पानी इस्तेमाल करें और पानी डालने की शुरुआत पैरों, पीठ या हाथों से करें। पानी बहुत ज्यादा गर्म भी न हो।

सर्दियों में अचानक न उठें, शरीर को आराम से उठने दें

सर्दी में सोते समय शरीर की धमनियां संकुचित हो जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह धीमा हो जाता है। ऐसे में अगर आप अचानक उठते हैं तो आपका रक्तचाप बढ़ सकता है, जिससे चक्कर, बेहोशी या दिल का दौरा पड़ने का खतरा हो सकता है। स्ट्रेस हार्मोन के स्तर में वृद्धि भी दिल पर दबाव डाल सकती है। सुबह उठते ही कुछ समय बिस्तर पर आराम से बिताएं। हाथों और पैरों को स्ट्रेच करें, फिर धीरे-धीरे बिस्तर से उठें।

हीटर को लगातार न चलाएं, कमरे में नमी बनाए रखें

हीटर के लगातार चलने से हवा की नमी कम हो जाती है और शरीर में डिहाइड्रेशन हो सकता है। डिहाइड्रेशन के कारण खून गाढ़ा हो जाता है, जिससे दिल को रक्त पंप करने में कठिनाई होती है। हीटर को जरूरत के अनुसार ही चलाएं और कमरे में नमी बनाए रखने के लिए बाल्टी में पानी भरकर रखें।

ऊनी कपड़े पहनकर न सोएं, पहले सूती कपड़े पहनें

ऊन के कपड़े शरीर की गर्मी को अंदर फंसा लेते हैं, जिससे शरीर का तापमान सही तरीके से नियंत्रित नहीं हो पाता। इसका असर दिल पर पड़ सकता है और लो बीपी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऊनी कपड़ों के नीचे सूती या रेशमी कपड़े पहनें, ताकि शरीर का तापमान संतुलित रहे।

ज्यादा दबाव वाली एक्सरसाइज से बचें, 15 मिनट में ब्रेक लें

सर्दियों में अत्यधिक मेहनत वाली एक्सरसाइज से दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। लगातार एक्सरसाइज करने से शरीर का तापमान अचानक बदल सकता है, जो दिल के लिए हानिकारक हो सकता है। एक्सरसाइज करते समय हाइड्रेट रहें और किसी भी तरह की भारी एक्सरसाइज को 15 मिनट से ज्यादा न करें। कपड़े हटाने से पहले शरीर को गर्म रखें और बीच-बीच में ब्रेक लें।

सर्दियों में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी है, खासकर दिल और रक्तचाप से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए इन सावधानियों का पालन करें। इन छोटी-छोटी आदतों से आप खुद को सुरक्षित रख सकते हैं और सर्दियों के मौसम में स्वस्थ रह सकते हैं।

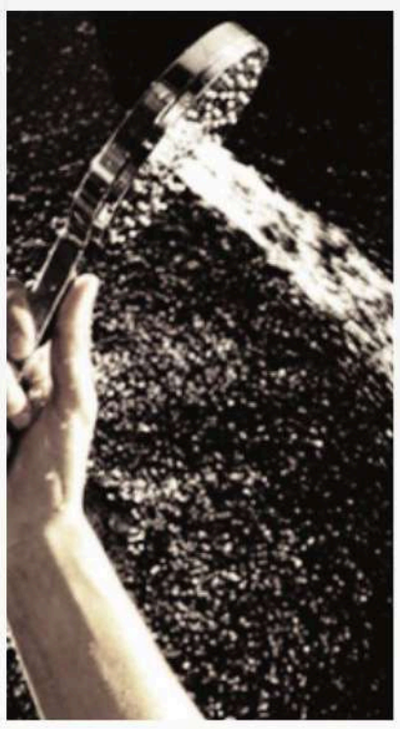

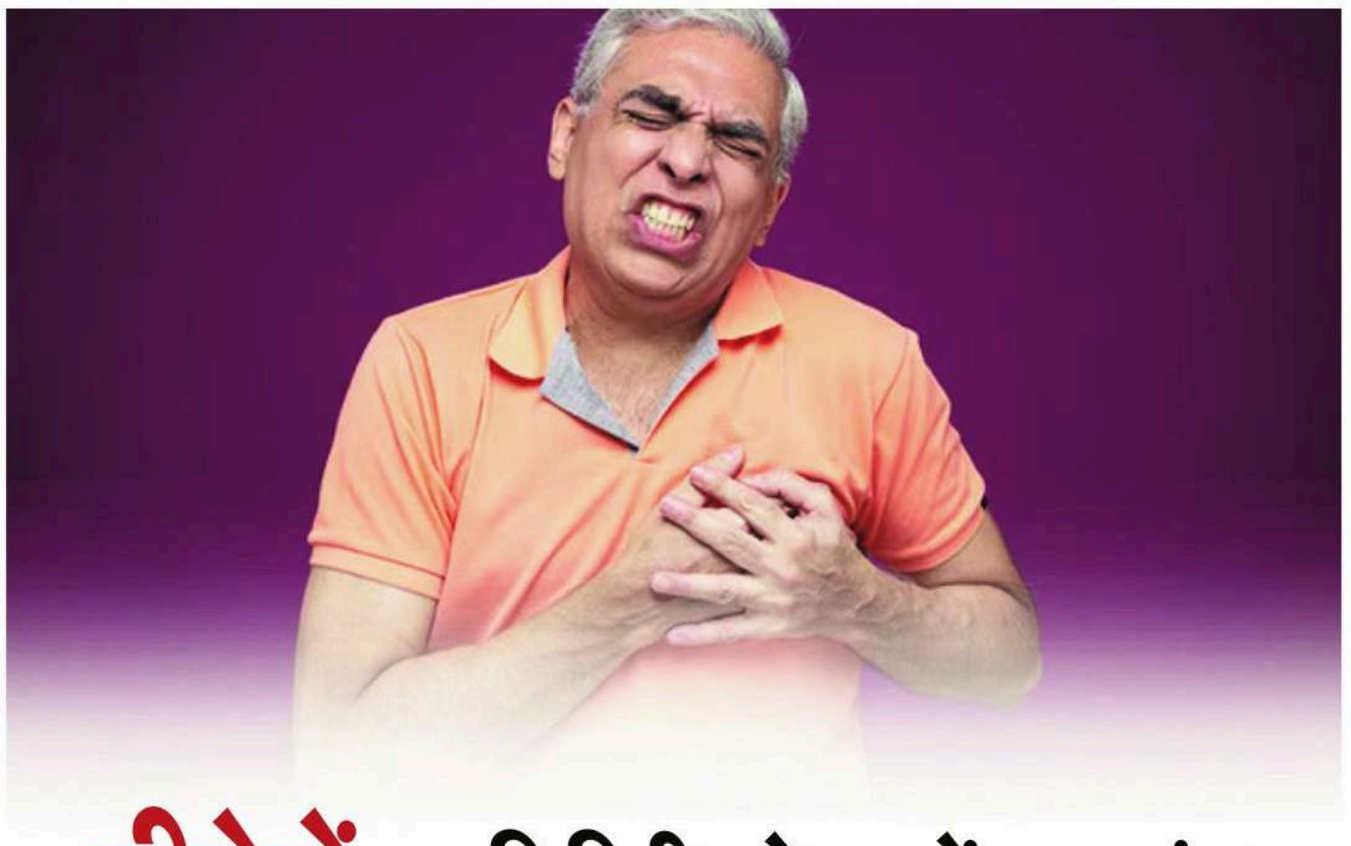

सीने में जलन

एसिडिटी को न करें नजरअंदाज, बढ़ सकता है पेट का कैंसर!

अगर पेट में किसी भी तरह की समस्या हो, तो उसे हल्के में न लें, क्योंकि अनदेखा करने से यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। कभी-कभी यह स्थिति पेट के कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी का रूप ले सकती है। एसिडिटी, खट्टी डकारें, मोटापा और सीने में जलन जैसी समस्याएं पेट में कैंसर के संकेत हो सकती हैं।

एसिडिटी और इसके खतरनाक असर

एसिडिटी की समस्या अक्सर ऑयली और मसालेदार भोजन खाने या लंबे समय तक पेट खाली रहने के कारण होती है। हम इसे अक्सर हल्का समझते हैं, लेकिन यह कभी-कभी बहुत खतरनाक साबित हो सकती है। लगातार एसिडिटी की समस्या, खट्टी डकारें, मोटापा और सीने में जलन से पेट में कैंसर की कोशिकाएं विकसित हो सकती हैं। पेट में कैंसर ऊपरी हिस्से या निचले हिस्से में हो सकता है, और यह एक जानलेवा बीमारी बन सकती है। अगर समय रहते इसके लक्षणों का इलाज न किया जाए, तो यह जानलेवा भी हो सकता है।

पेट में कैंसर के लक्षण

हार्टबर्न (सीने में जलन) एक आम समस्या हो सकती है, लेकिन यह पेट के अल्सर या बैक्टीरियल इंफेक्शन का भी संकेत हो सकता है। कुछ कैंसर के रोगियों में भी सीने में जलन और एसिड रिफ्लक्स (खट्टी डकारें) जैसी समस्याएं होती हैं। अगर गैस्ट्रिक कैंसर का समय रहते इलाज न किया जाए, तो यह धीरे-धीरे पूरे शरीर में फैलकर जानलेवा हो सकता है।

पेट में कैंसर के कारण

अगर आप बार-बार एसिडिटी की समस्या से जूझ रहे हैं, तो यह पेट में पाइलोरी संक्रमण का कारण बन सकता है। यह संक्रमण पेट के डीएनए को नुकसान पहुंचाता है, जिससे पेट में कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

बचाव के तरीके

1. पेट के कैंसर से बचने के लिए कुछ खास उपाय किए जा सकते हैं-
2. ऑयली और मसालेदार भोजन से दूर रहें।
3. वजन को नियंत्रित रखने के लिए नियमित व्यायाम और बैलेंस डाइट अपनाएं।
4. रात में सोने से दो-तीन घंटे पहले खाना खाएं।
5. खाने के बाद तुरंत न लेटें, बल्कि थोड़ी देर टहले।
6. योग और एक्सरसाइज को अपने दैनिक रूटीन में शामिल करें।
7. नशे से बचें, क्योंकि यह सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

पेट के कैंसर का उपचार

अगर पेट के कैंसर का सही समय पर पता चल जाए, तो इसका इलाज संभव है। इसमें सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी जैसे उपचार शामिल हो सकते हैं।

कब डॉक्टर से संपर्क करें?

अगर किसी व्यक्ति को सीने में जलन की समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, या सांस लेने में कठिनाई, काले और चिपचिपे मल, पीलिया, निगलने में दिक्कत या लगातार उल्टियां हो रही हैं, तो यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए, रोटी बनाते समय मिला लें ये पाउडर, कुछ ही दिनों में दिखने लगेगा फर्क!

डायबिटीज के मरीजों की संख्या नियमित रूप बढ़ती जा रही है. इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन आप अपने आहार में बदलाव और जीवनशैली में सुधार करके मधुमेह को नियंत्रित कर सकते हैं. एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में कहा गया है कि रोटी बनाने के लिए गेहूं का आटा गूंधते समय उसमें थोड़ा अलसी पाउडर मिलाने से ब्लड शुगर कंट्रोल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है. शुगर को नियंत्रित करने के लिए गेहूं के आटे में अलसी के बीज का पाउडर मिलाकर रोटी बनाएं. अलसी के बीज का पाउडर फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है. इसे आटे में मिलाकर रोटी बनाकर खाने से पोषण को बढ़ावा मिलता है.

अलसी को कई चीजों में मिलाया जा सकता है

अलसी का उपयोग सदियों से इसके पोषण संबंधी लाभों के लिए किया जाता रहा है. फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, अलसी के बीज अक्सर साबुत गेहूं के आटे, दूध, स्मूदी और डेसर्ट में मिलाए जाते हैं.

अलसी को रोटी में मिलाकर खाने के फायदे

पाचन में सुधार

गेहूं के आटे में अलसी के बीज मिलाने से पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है. अलसी में मौजूद फाइबर, विशेष रूप से घुलनशील फाइबर, पाचन में सहायता करता है और रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है. अलसी में ओमेगा-3 फैटी एसिड भी होता है जो हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है. इस प्रकार, जब आप गेहूं के आटे में अलसी का पाउडर मिलाते हैं, तो आपको कई लाभ मिल सकते हैं और शरीर में पोषण बढ़ सकता है.

रोटी को मुलायम बनाता है

अलसी के पाउडर में नमी सोखने की प्राकृतिक क्षमता होती है. जब अलसी को गेहूं के आटे में मिलाया जाता है, तो यह आटे को नरम कर देता है और नमी बरकरार रखता है. यह पके हुए खाद्य पदार्थों को जल्दी सूखने से बचाता है और उन्हें लंबे समय तक फूला हुआ रखता है. ऐसे में केक, परांठे और रोटी बनाते समय थोड़ा अलसी पाउडर मिलाने की सलाह दी जाती है.

मधुमेह को नियंत्रित करता है

अलसी के बीज रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं. इसमें मौजूद फाइबर की मात्रा ब्लड शुगर लेवल को बढ़ने से रोकती है. मधुमेह रोगियों के लिए रोटी बनाते समय इस पाउडर को जोड़ने से उनके समग्र ग्लाइसेमिक नियंत्रण में सुधार करने में मदद मिल सकती है. एनसीबीआई द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि अलसी के बीज मधुमेह को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

अन्य फायदे

इसके अलावा अलसी पीरियड्स, कब्ज और मानसिक थकान से जुड़े लक्षणों की गंभीरता को काफी कम करने में मदद करती है और त्वचा की देखभाल में भी मदद करती है.

क्या आप भी पूरी रात सिंक में गंदे बर्तन छोड़ देते हैं?

इससे हो सकती हैं ये खतरनाक बीमारियां

क्या आप भी अक्सर अपने किचन में गंदे बर्तन छोड़कर सो जाते हैं? अगर हां, तो यह आपकी सेहत के लिए खतरा बन सकता है। गंदे बर्तनों को लंबे समय तक बिना धोए रखने से इनमें बैक्टीरिया और कीटाणु पनपने लगते हैं, जो सिर्फ बर्तनों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि यह बैक्टीरिया आपके भोजन में भी घुस सकते हैं और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

गंदे बर्तनों में बढ़ते बैक्टीरिया और उनके खतरनाक प्रभाव

गंदे बर्तन रातभर सिंक में पड़े रहते हैं तो उनमें साल्मोनेला, लिस्टेरिया, और ई-कोली जैसे बैक्टीरिया पनप सकते हैं। ये बैक्टीरिया न केवल बर्तन धोने के बाद भी रह जाते हैं, बल्कि खाने के साथ शरीर में प्रवेश करके गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। जब इन बैक्टीरिया से संक्रमित बर्तनों में खाना परोसा जाता है, तो वे पेट में जाकर पेट दर्द, उल्टी, डायरिया, अपच जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

किसे हो सकता है खतरा?

इन बैक्टीरिया का सबसे ज्यादा खतरा उन लोगों को होता है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। जैसे छोटे बच्चे, बुजुर्ग, और गर्भवती महिलाएं, जो इन बैक्टीरिया के प्रभाव से जल्दी बीमार पड़ सकते हैं। इतना ही नहीं, इन बैक्टीरिया से जुड़ी गंभीर समस्याओं में किडनी फेलियर, गर्भपात और किडनी के बारीक फिल्टर का खराब होना भी शामिल है। अगर इन बैक्टीरिया के कारण किसी की हालत गंभीर हो जाए, तो वह अस्पताल में भर्ती हो सकता है और इलाज में कई महीनों का समय भी लग सकता है।

किचन की सफाई और आलस्य से बचना है जरूरी

किचन और बर्तनों की सफाई में आलस्य न करें। बर्तनों और सिंक को समय पर धोना बहुत जरूरी है, क्योंकि देर से धोने से बैक्टीरिया पनपते हैं और वह आपके स्वास्थ्य के लिए खतरे का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा, ध्यान रखें कि फ्रिज में रखे खाद्य पदार्थ भी समय पर सही तरीके से स्टोर और उपयोग नहीं किए जाएं, तो वे भी बीमारी का कारण बन सकते हैं।

सर्दियों में खानपान और किडनी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें

सर्दियों में खासतौर पर अधिक नमक और चीनी का सेवन किडनी के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर कोई व्यक्ति ज्यादा नमक और चीनी खाता है, तो उसकी किडनी पर दबाव बढ़ता है, जिससे उसे हाई ब्लड प्रेशर (ब्क्क) और शुगर की समस्या हो सकती है। इसके कारण किडनी के बारीक फिल्टर खराब होने लगते हैं और किडनी फेल हो सकती है। इस स्थिति से बचने के लिए सर्दियों में सही खानपान और किडनी का ध्यान रखना बेहद महत्वपूर्ण है।

किडनी से जुड़ी अन्य समस्याएं

किडनी स्टोन - किडनी में पथरी बनने का खतरा बढ़ता है, जिससे अत्यधिक दर्द और गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

यूटीआई - गंदे बर्तनों के संपर्क में आने से यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन हो सकता है, जो किडनी के संक्रमण का कारण बन सकता है।

पॉलीसिस्टिक किडनी - किडनी में छोटे-छोटे ष्4ह्यह्लह्य बनना, जिससे किडनी का कामकाज प्रभावित होता है।

प्रोटीन लीकेज - किडनी से प्रोटीन का लीक होना, जो रक्तप्रवाह में जाने लगता है।

क्रिएटिनिन का उच्च स्तर - किडनी की कार्यक्षमता घटने से क्रिएटिनिन की मात्रा रक्त में बढ़ जाती है, जो किडनी फेलियर का संकेत हो सकता है।

सावधान रहें, ताकि स्वास्थ्य पर असर न हो

गंदे बर्तनों को लंबे समय तक छोड़ने से न केवल बैक्टीरिया का खतरा बढ़ता है, बल्कि यह आपके किडनी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का कारण भी बन सकता है। ऐसे में, किचन और बर्तनों की सफाई को प्राथमिकता दें और यह सुनिश्चित करें कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूरी तरह से जागरूक रहें।

सर्दियों में सही खानपान के साथ-साथ नियमित व्यायाम और पर्याप्त पानी पीने से आपकी किडनी स्वस्थ रहती है और आप इन समस्याओं से बच सकते हैं।

किचन में गंदे बर्तनों को रातभर छोड़ने से बचें और समय पर धोने की आदत डालें। इसके अलावा, खानपान में सावधानी बरतें और ज्यादा नमक और चीनी से बचें। किडनी और पेट के स्वास्थ्य का ध्यान रखें और किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लिए विशेषज्ञ से सलाह लें।

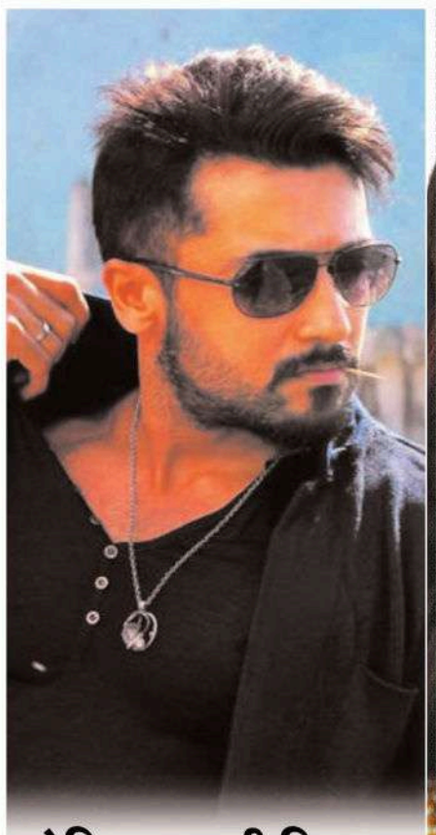

वेत्रिमारन की फिल्म वादिवासल की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार सूर्या

सूर्या और निर्देशक वेत्रिमारन की बहुप्रतीक्षित परियोजना वादिवासल का इंतजार प्रशंसक कई वर्षों से कर रहे हैं। वहीं, अब निर्माता ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में इस फिल्म से जुड़ी दिलचस्प जानकारियां साझा कीं। फिल्म के निर्माता ने वादिवासल पर चर्चा करते हुए कहा कि सूर्या शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। पहले निर्देशक विदुथलाई भाग 2 के निर्माण में व्यस्त थे। वह फिल्म अब रिलीज हो गई है। जल्द शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

इसके अलावा निर्माता ने बताया कि इस दौरान फिल्म पर काम लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि फिल्म का एक अहम हिस्सा एनिमेट्रोनिक बैल लंदन में अपने आखिरी स्टेज पर है, जिससे यह संभावना है कि फिल्म जल्द ही फ्लोर पर आ जाएगी। कुछ समय पहले सूर्या की मुख्य भूमिका वाली फिल्म वादिवासल की घोषणा की गई थी। वेत्रिमारन द्वारा निर्देशित यह फिल्म तमिलनाडु में बैलों को काबू में करने के त्योहार की कहानी पर आधारित है, जो बदले की कहानी भी पेश करेगी।

फिल्म की कहानी

कहानी कथित तौर पर पिच्ची और मरुदन पर केंद्रित है, जो पेरियापट्टी गांव में वार्षिक बैल-वशीकरण उत्सव में भाग लेते हैं। दोनों का लक्ष्य एक क्रूर बैल को वश में करना है, जिसने अतीत में पिच्ची के पिता को हराया था, जिससे बदला लेने वाली कहानी की शुरुआत होती है। चूंकि फिल्म काफी समय से प्री-प्रोडक्शन स्टेज में थी, इसलिए रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इसे शायद रोक दिया गया है। हालांकि, निर्देशक ने खुद 2024 में मीडिया से बातचीत में स्पष्ट किया कि फिल्म को रोका नहीं गया है, बल्कि उनकी अन्य प्रतिबद्धताओं के कारण इसे टाल दिया गया है।

वेत्रिमारन की विदुथलाई -भाग 2

हाल ही में, निर्देशक वेत्रिमारन ने 20 दिसंबर, 2024 को अपनी फिल्म विदुथलाई-भाग 2 रिलीज की। राजनीतिक बैकग्राउंड पर सेट यह पीरियड क्राइम थ्रिलर दो-भाग वाली फिल्म फ्रेंचाइजी की दूसरी किस्त है। यह फिल्म एक पुलिस कांस्टेबल की यात्रा को दिखाती है, जो एक अलगाववादी समूह के नेता के साथ संघर्ष में उलझ जाता है। सोरी और विजय सेतुपति की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म में गौतम वासुदेव मेनन, मंजू वारियर, किशोर, भवानी सेरे, राजीव मेनन, इलावरसु और बालाजी शक्तिवेल भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

'धूम' फिल्म के अली से कनेक्ट करती हैं अनन्या पांडे, प्यार को लेकर कही मन की बात

अनन्या पांडे का नाम इन दिनों मॉडल वॉकर ब्लैंको से जोड़ा जा रहा है। दोनों को अनंत अंबानी की शादी में साथ देखा गया था। अनन्या ने अपने इस नए रिश्ते को खुलकर स्वीकार तो नहीं किया है लेकिन हाल ही में अभिनेत्री ने प्यार को लेकर अपना नजरिया बताया।

प्यार में 'धूम' के अली जैसा करती हैं महसूस

हाल ही में एक इंटरव्यू में अनन्या पांडे ने अपनी लव लाइफ पर बात की। एक्ट्रेस का कहना है कि जब वह प्यार में होती है तो सामने वाले से पूरी तरह से कनेक्ट हो जाती हैं। वह बिल्कुल 'धूम' फिल्म के अली जैसा बिहेव करती हैं।

परिवार-शादी के बारे में सोचती हैं

फिल्म 'धूम' में जब अली यानी उदय चोपड़ा के किरदार को प्यार होता है, तो चंद पलों में ही वह शादी और परिवार बनाने के बारे में सोचने लगता है। अनन्या भी ऐसा ही सोचती है, जब वह प्यार में होती हैं। यही कारण है कि वह फिल्म 'धूम' के किरदार अली से कनेक्ट कर पाती हैं।

आदित्य राय कपूर से भी रहा अफेयर

इन दिनों अनन्या पांडे का नाम जरूर मॉडल वॉकर ब्लैंको से जोड़ा जा रहा हो। लेकिन इस रिश्ते से पहले वह एक्टर आदित्य राय कपूर के साथ भी रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। कुछ समय पहले ही दोनों की राहें जुदा हुई हैं।

अनन्या की अपकमिंग फिल्म

करियर फ्रंट की बात की जाए तो अनन्या पांडे अगले साल यानी 2025 में फिल्म 'शंकरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार और आर. माधवन जैसे उम्दा कलाकारों के साथ वह अभिनय करती हुई दिखेंगी। इस साल भी अनन्या पांडे ने काफी हटकर फिल्में की हैं, जिसमें 'कंट्रोल' नाम की फिल्म काफी चर्चा में रही। यह फिल्म सोशल मीडिया, एआई के नकारात्मक पक्ष को दिखाती है। इसके अलावा एक सीरीज 'कॉल मी बे' भी अनन्या ने की, जिसे यंग ऑडियंस ने काफी पसंद किया।

कबीर बहिया से अफेयर की अफवाहों के बीच बोली कृति सेनन

कुछ दिन पहले कृति सेनन को बिजनेस मैन कबीर बहिया के साथ क्रिसमस सेलिब्रेट करते हुए देखा गया। सेलिब्रेशन की ये तस्वीरें कृति ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर भी साझा कीं। हाल ही में कृति एक पॉडकास्ट पर नजर आईं। कृति सेनन से पहले क्रश के बारे में सवाल किया? तो वह बोली- 'प्यार को लेकर मैं सिर्फ अपनी सुनती हूं, इस मामले में मैं किसी की नहीं सुनती हूं।' वह पॉडकास्ट में आगे अपने पहले स्कूल क्रश के बारे में भी बताती हैं। कृति सेनन बताती हैं कि जब ग्यारहवीं क्लास में रही होंगी, तब उन्हें पहला क्रश हुआ था। वह लड़का काफी लंबा था, उस पर अकसर ही कृति की नजर चली जाती थी। दोनों एक-दूसरे को पसंद करते थे। वह लड़का कृति की मम्मी के फोन पर कॉल किया करता था। इस बात को मम्मी से छुपाना कृति के लिए काफी मुश्किल होता था। अपने पहले क्रश को याद करके, कृति सेनन पॉडकास्ट पर काफी मुस्कुरा भी रही थीं। आगे चलकर कृति का पहले क्रश के साथ रिलेशनशिप टूट गया। पॉडकास्ट में कृति ने यह भी बताया कि ब्रेकअप होने पर वह रोई भी थी। बाद में उन्हें अहसास हुआ कि यह प्यार नहीं था, बस एक क्रश जैसा था। कृति सेनन ने इस साल तीन फिल्मों में अभिनय किया, जिसमें 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', 'क्रू' और 'दो पत्ती' शामिल रहीं। फिल्म 'दो पत्ती' में एक्टिंग करने के साथ कृति सेनन ने इसे प्रोड्यूस भी किया। आगे भी वह अपने प्रोडक्शन हाउस तले अलग-अलग तरह की फिल्में प्रोड्यूस करना चाहती हैं।

बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की कमी पर प्रीति ने जताई चिंता

बॉलीवुड में अच्छी रोमांटिक फिल्में कम बन रही हैं। हाल ही में अभिनेत्री प्रीति जिंटा इस बात से सहमत होती नजर आईं दरअसल प्रीति जिंटा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फैंस के साथ एक बातचीत सैशन रखा। इस दौर उन्होंने अपने करियर और सिनेमा पर बात की। उन्होंने आज के दौरान में इंडस्ट्री में रोमांटिक फिल्मों की कमी पर भी खुलकर बात की। साथ ही कहा कि उन्हें अब भी उम्मीद है कि शायद कुछ बेहतर आइडिया आए। एक्स पर एक यूजर ने प्रीति जिंटा को मैसेज लिखा, मुझे लगता है कि बॉलीवुड में रोमांस, रोमांस के किंग कहे जाने वाले निर्माता यश चोपड़ा के साथ ही खत्म हो गया, क्या आज के समय में हमें बॉलीवुड में अच्छी रोमांटिक फिल्में देखने को मिल सकती हैं? यूजर के सवाल पर प्रीति ने लिखा, मेरा भी यही मानना है। हालांकि, उम्मीद है कि कुछ अच्छी स्क्रिप्ट लिखी जाएं और कुछ नए आइडिया कोई ऐसा शख्स लेकर आए, जिसका दिल सही जगह पर है। मैं भी आपकी तरह इंतजार ही कर रही हूं।

इसके अलावा अभिनेत्री ने अपनी आगामी फिल्म पर भी बात की। एक यूजर ने लिखा, आप किसी नई फिल्म में काम कर रही हैं? अगर ऐसा हो तो आपको बड़े परदे पर देखना दिलचस्प होगा। आप 90 के दशक की हमारी पसंदीदा अदाकारा हैं। इस पर प्रीति जिंटा ने लिखा, बहुत शुक्रिया! मेरी नई फिल्म है लाहौर 1947, जो अगले साल रिलीज होगी।

लंबे वक्त बाद कमबैक

प्रीति जिंटा ने साल 1998 में मणिरत्नम की फिल्म दिल से के जरिए डेब्यू किया था। इसके बाद वे कोई मिल गया, चोरी चोरी छुपके छुपके, दिल चाहता है, वीर जारा जैसी कई चर्चित फिल्मों में नजर आईं। अदाकार जीन गुडइनफ से शादी के बाद विदेश में बस गई हैं।

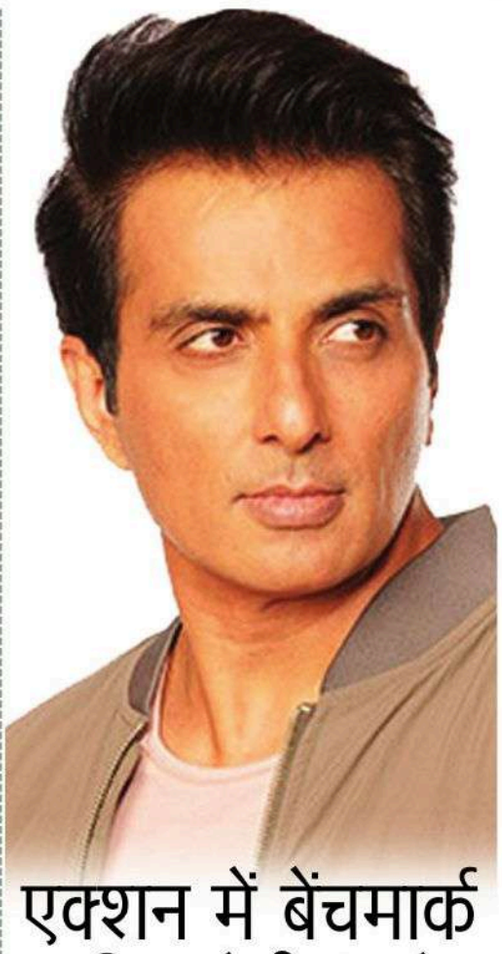

एक्शन में बेंचमार्क साबित होगी 'फतेह

एक्टर सोनू सूद अपकमिंग फिल्म फतेह के जरिए डायरेक्शन में डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। यहां तक कि लीड रोल में भी सोनू ही नजर आएंगे। फिल्म 10 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज से पहले सोनू सूद ने दैनिक भास्कर से बातचीत की है। सोनू के मुताबिक, फतेह का एक्शन सीक्वेंस इंडस्ट्री में एक नया बेंचमार्क साबित करेगा।

आप पहली बार डायरेक्टर के रोल में नजर आ रहे हैं, क्या फीलिंग्स हैं?

दो-ढाई साल में खूब मेहनत हुई है। लिखने से लेकर फिल्म के हर बिंदु पर काफी बारीकी से काम किया गया है। मैंने सोच लिया था कि ऐसी एक्शन फिल्म बनाऊंगा जो कभी नहीं बनी हो। हिंदुस्तान भी गर्व से कहे कि ऐसी एक्शन फिल्म पहले कभी नहीं बनी।

क्या आपके लायक फिल्में नहीं बन रही थीं, इसलिए खुद डायरेक्शन में उतरना पड़ा?

कई बार खुद की कहानी खुद के कलम से लिखनी पड़ती है। मैं जैसी फिल्म चाहता था, वह बन नहीं पा रही थी। ऐसा फील हो रहा था कि मैं जो कर सकता हूं, वह मुझसे कराया नहीं जा रहा। यही सोचकर मैंने खुद ही फिल्म बनाने की जिम्मेदारी उठाई।

आप फिल्मों में डायलॉग्स पर भी काफी इनपुट देते हैं, इसका क्रेडिट क्यों नहीं लेते?

डायलॉग्स के जरिए ही हम सही तौर पर ऑडियंस से कनेक्ट कर पाते हैं। डायलॉग्स ऐसे होने चाहिए, जो गली-चौराहे के बच्चे भी समझ जाएं और उससे रिलेट कर पाएं। फतेह देखने के बाद आप निजी जीवन में उसके डायलॉग्स बोलते फिरेंगे।

आपने फिल्म के म्यूजिक पर भी काफी ध्यान दिया है, संगीत की समझ कहां से लाते हैं?

म्यूजिक ऐसा होना चाहिए, जो फिल्म की सीक्वेंस के साथ मैच हो जाए। मैंने फतेह में अरिजीत सिंह, हनी सिंह, विशाल मिश्रा, बी प्राक और जुबिन नौटियाल जैसे इस वक्त के सबसे बड़े सिंगर्स से गाने गंवाए हैं।

फतेह के एक्शन की तुलना इंटरनेशनल फिल्मों से की जा रही है, कुछ लोग जॉन विक से मिला रहे हैं?

मैंने इतने सालों तक एक्शन फिल्में की हैं, लेकिन हमेशा लगता था कि कुछ मिसिंग है। कई बार सोचता था कि हम आखिर इंटरनेशनल लेवल का एक्शन क्यों नहीं दिखा पाते हैं। शायद प्रोडक्शन कॉस्ट और विजन ही सबसे बड़ा मसला है। मैंने फतेह के लिए एक्शन सीन्स को प्रॉपर डिजाइन किया। साथ ही पेपर पर हर एक्शन सीन्स की डिटेलिंग भी की थी।

फिल्म में साढ़े तीन मिनट का नॉनस्टॉप एक्शन देखने को मिलेगा। उसमें एक कट नहीं दिखेगा। जुरासिक पार्क, फास्ट एंड फ्यूरियस और कैप्टन मार्वेल जैसी बड़ी हॉलीवुड फिल्मों का एक्शन डिजाइन करने वाली टीम को बुलाकर उनसे काम लिया है। एक्शन सीन्स को शूट करने के लिए साउथ अफ्रीका और मैक्सिको से टीम आई थी। मुझे लगता है कि फतेह का एक्शन एक बेंचमार्क साबित करेगा।

रजनी सर ने तारीफ की तो शॉक्ड हो गई थी

एक्ट्रेस वेधिका कुमार साउथ की सभी भाषाओं के अलावा हिंदी फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने फिल्मों में अपनी जर्नी को लेकर खास बातचीत की। इस दौरान एक्ट्रेस ने साउथ सिनेमा के सुपर स्टार रजनीकांत से पहली मुलाकात का किस्सा भी शेयर किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब 'कांचना 3' के बाद रजनी सर से मिलीं और रजनी सर ने उनकी एक्टिंग की तारीफ की तो शॉक्ड हो गईं।

आप मुंबई में पली बढ़ी हैं, फिर साउथ सिनेमा में एक्टिंग की शुरुआत कैसे हुई?

साउथ सिनेमा में मेरी शुरुआत बिस्कुट के एक ऐड से सूर्या के साथ हुई थी। उस ऐड के लिए मुंबई की एक एजेंसी ने कास्टिंग की थी। जिसे प्रियदर्शन सर ने डायरेक्ट की थी। उस समय सूर्या सर बहुत बड़े स्टार थे। उनके साथ बहुत ही अच्छा अनुभव रहा है। प्रिय दर्शन सर की मैं बहुत बड़ी प्रसंशक हूं, उनके साथ भी काम करना बहुत ही कंफर्टेबल रहा है। वह जमीन से जुड़े इंसान हैं। मेरे लिए बहुत गर्व की बात थी कि ऐसे एक्टर और डायरेक्टर के साथ काम करने का मौका मिला। इस ऐड के बाद साउथ की फिल्मों में मेरी की जर्नी शुरू हुई थी। अब तक 30 से ज्यादा साउथ की फिल्में कर चुकी हूं।

पहली फिल्म 'मद्रासी' की शूटिंग के दौरान का कैसा माहौल था?

पहले दिन की शूटिंग मुंबई में ही थी। उस समय मुझे तमिल बिल्कुल भी नहीं आती थी। हिंदी में डायलॉग लिखकर याद कर लेती थी। अभी तो तमिल मेरी मातृ भाषा जैसी हो गई है। तेलुगु भी बोल लेती हूं। 'मद्रासी' के बाद 'मुनि' रिलीज हुई थी। इस फिल्म को राघव लारेंस ने डायरेक्ट की थी। यह फिल्म मेरे करियर की टर्निंग पॉइंट फिल्म रही है। यह हॉरर कॉमेडी फिल्म थी। इसके बाद लारेंस सर ने कांचना, कांचना 2 और कांचना 3 बनाई। मुनि के बाद मैंने कांचना 3 में मैंने भी काम किया था। अब कांचना 4 बनने जा रही है। यह सारी फिल्में 'मुनि' की ही फ्रेंचाइजी हैं।

आपकी तुलना कई बड़ी एक्ट्रेस से की जाती है, इस कॉम्प्लीमेंट को किस तरह से देखती हैं?

बहुत अच्छा लगता है। श्रीदेवी मैम को मैंने हमेशा अपना आइडियल माना है। उनसे एक बार दुबई में मिली भी थी। उनके डांस, परफॉर्मेंस और ब्यूटी को बहुत पसंद करती हूं। आज हम उनको बहुत मिस करते हैं। उनकी जैसी इंडस्ट्री में बहुत कम लोग हैं। मेरे लिए यह बड़े गर्व की बात है कि लोग मेरी तुलना उनसे करते हैं, लेकिन मैं अपनी अलग पहचान बनाना चाहती हूं।

किस तरह से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाना चाहती हैं?

मैं चाहती हूं कि लोग मुझे मेरी चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं से जाने। मैंने अब तक कई चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाई है। मैंने बाला सर के डायरेक्शन में तमिल फिल्म 'परदेसी' की थी। मेरे करियर की यह बहुत बड़ी टर्निंग पॉइंट फिल्म थी। इस फिल्म को लेकर इतना एक्साइटेड थी कि शूटिंग के दौरान सो नहीं पाती थी। इस फिल्म में मेरा लुक बहुत ही अलग था। इस फिल्म के बाद मुझे परफॉर्मेंस ओरिएंटेड फिल्में मिलने लगी थीं।

बॉलीवुड में आपकी एंट्री इमरान हशमी की फिल्म 'द बॉडी' से हुई। हिंदी सिनेमा में इतनी लेट एंट्री क्यों?

मैं साउथ में बहुत बिजी थी, इसलिए यहां ज्यादा ध्यान नहीं दे पा रही थी। मुझे ऑफर्स भी मिले, लेकिन डेट्स प्रॉब्लम की वजह से नहीं कर पाई। कुछ फिल्में ऐसी थीं, जिसमें किरदार नहीं पसंद आया था। 'द बॉडी' का जब ऑफर मिला तो इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड थी। मेरा मानना है कि जब जो होना होता है, तभी होता है। अभी 2025 के लिए कुछ अच्छे प्रोजेक्ट्स के लिए बात चल रही है। कुछ अच्छा ही होगा।

आप पांच भाषाओं में काम कर चुकी हैं, बैलेंस कैसे करती हैं?

बैलेंस करना बहुत मुश्किल होता है, क्योंकि हर भाषा का अपना एक अलग सुर होता है। साउथ की फिल्मों के बाद जब 'द बॉडी' कर रही थी तब हिंदी बोलने में बहुत दिक्कत हो रही थी। जबकि हिंदी बचपन से बोलती आ रही हूं। अभी तो तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ सीख ली हूं।

करियर में अब तक का कोई खूबसूरत कॉम्प्लीमेंट, जो आपके दिल को छू लिया हो?

'कांचना 3' जब बहुत बडी हिट हुई थी तब राघव लॉरेंस सर के साथ रजनी सर (राजनीकांत) से मिलने गई थी। वो ऐसे सुपर स्टार हैं, जो दूसरों को सुपर स्टार जैसा फील करवाते हैं। रजनी सर ने मेरी फिल्म 'शिवलिंगा' तीन साल पहले देखी थी। उन्होंने फिल्म के एक-एक सीन के बारे में बताते हुए मेरे एक्टिंग की तारीफ की। मैं शॉक्ड हो गई थी। वह मेरे लिए बहुत भी इमोशनल मोमेंट था।

अभी हाल फिलहाल में साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी ऐसे बहुत सारे केस सामने आए हैं। आप का अनुभव कैसा रहा है?

मेरे साथ कभी बुरा अनुभव नहीं हुआ है। ऐसा नहीं है कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री में सबलोग ऐसे ही हैं। मेरा मानना है कि कहीं भी अगर किसी के साथ ऐसा दुर्व्यवहार होता है तो इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। ऐसे लोग से दूर रहने की कोशिश करनी चाहिए। बुरे अनुभव कभी बोल कर नहीं आते हैं। यह कहीं भी हो सकता है।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267